मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 7 अंक 131
रविवार, 24 नवम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

महाराष्ट्र में फिर एक बार महायुति सरकार, सीएम की रेस बरकरार, झारखंड में हेमंत सोरेन का चमत्कार

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। महाराष्ट्र और झारखंड में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे आज सामने आ गए हैं। महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने शानदार जीत हासिल की है। वहीं, झारखंड में हेमंत सोरेन अपनी सरकार बचाने में कामयाब रहे हैं। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी ने 133 सीटों पर शानदार जीत हासिल की है। भाजपा का यह प्रदर्शन शानदार रहा है। भाजपा राज्य में 149 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। वहीं एकनाथ शिंदे की शिवसेना 57 सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाब रही है। जबकि अजित पवार की एनसीपी को 41 सीट हासिल की हैं।

ऐसे 288 विधानसभा सीटों वाली महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन ने 234 सीटें अपने नाम की है। वहीं झारखंड की बात करें तो यहां हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया ब्लॉक ने 56 सीटों पर जीत हासिल की है। तमाम मेहनत के बावजूद भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को सिर्फ 24 सीटों से संतोष करना पड़ा है। महाराष्ट्र में महायुति की जीत के बाद मुख्यमंत्री के कई दावेदार हो गए हैं वहीं मुख्यमंत्री के रश्मि कई नाम की भी चचाएं शुरू हो गई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की प्रचंड जीत की सराहना करते हुए इसे विकास और सुशासन की विजय बताया तथा लोगों को आश्वासन दिया कि सत्तारूढ़ गठबंधन राज्य की प्रगति के लिए काम करना जारी रखेगा। मोदी ने एक्स पर पोस्ट में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले गठबंधन को राज्य विधानसभा चुनाव में जीत के लिए बधाई दी।

साथ ही इस बात पर जोर दिया कि उनकी पार्टी हमेशा लोगों के मुद्दों को उठाने में सबसे आगे रहेगी। मोदी ने अपनी पोस्ट को राज्य में इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने वाले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी टैग किया।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता देवेन्द्र फडणवीस ने शनिवार को विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत गठबंधन महायुति के जीत ओर बढ़ने के बीच मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर किसी विवाद से इनकार किया और कहा कि महायुति के नेता इस बारे में फैसला करेंगे। फडणवीस ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणाम बताते हैं कि राज्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का समर्थन करता है।

वायनाड से प्रियंका गांधी की जबरदस्त जीत

वायनाड, 23 नवम्बर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को वायनाड लोकसभा उपचुनाव जीत लिया है, जो उनकी पहली चुनावी जीत है। उन्होंने इस साल की शुरूआत में 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने भाई राहुल गांधी द्वारा हासिल किए गए वोटों के अंतर को पार कर लिया। इसके बाद प्रियंका ने एक्स पर ट्वीट किया कि वायनाड की मेरी प्यारी बहनों और भाइयों, आपने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं कृतज्ञता से अभिभूत हूं। मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि समय के साथ, आप वास्तव में महसूस करें कि यह जीत आपकी जीत है और जिस व्यक्ति को आपने अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है वह आपकी आशाओं और सपनों को समझता है और आपके लिए लड़ता है। मैं संसद में आपकी आवाज बनने के लिए उत्सुक हूं!

गांधी ने आगे लिखा कि मुझे यह सम्मान देने के लिए धन्यवाद और इससे भी अधिक आपने मुझे जो अपार प्यार दिया है उसके लिए धन्यवाद। उन्होंने कहा कि यूडीएफ में मेरे सहकर्मी, पूरे केरल के नेता, कार्यकर्ता, स्वयंसेवक और मेरे कार्यालय के सहकर्मी जिन्होंने इस अभियान में अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत की, आपके समर्थन के लिए धन्यवाद, मेरी प्रतिदिन 12 घंटे की कार यात्रा (कोई भोजन नहीं, कोई आराम नहीं) को सहन करने के लिए, और उन आदर्शों के लिए सच्चे सैनिकों की तरह लड़ने के लिए जिनमें हम सभी विश्वास करते हैं।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मेरी माँ, रॉबर्ट और मेरे दो रत्नों- रेहान और मिराया, आपने मुझे जो प्यार और साहस दिया है उसके लिए कोई भी आभार पर्याप्त नहीं है। और मेरे भाई, राहुल, आप उन सभी में सबसे बहादुर हैं... मुझे रास्ता दिखाने और हमेशा मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद! इस साल के चुनाव में उत्तर प्रदेश के रायबरेली से भी जीतने के बाद, राहुल ने वायनाड सीट खाली कर दी और पार्टी ने उनकी बहन प्रियंका को उम्मीदवार बनाया, जिससे उनके चुनावी पदार्पण का मार्ग प्रशस्त हो गया। 14 लाख से अधिक पंजीकृत मतदाताओं वाले वायनाड में उपचुनाव में लगभग 65 प्रतिशत मतदान हुआ, जो इस साल अप्रैल में हुए लोकसभा चुनावों के 74 प्रतिशत के करीब से कम है और 80 प्रतिशत से अधिक मतदान से काफी कम है।

टीएमसी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनावों में क्लीन स्वीप किया

कोलकता, 23 नवम्बर ताकत के शानदार प्रदर्शन में, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनावों में क्लीन स्वीप हासिल कर लिया है। टीएमसी ने अलीपुरद्वार जिले के महत्वपूर्ण मदारीहाट निर्वाचन क्षेत्र सहित सभी छह सीटों पर जीत हासिल की है। यह जीत टीएमसी के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि मदारीहाट भाजपा का गढ़ रहा है, जहां भाजपा ने 2021 के चुनावों में 29,000 वोटों की बढ़त हासिल की थी। यह परिणाम परंपरागत रूप से भाजपा का गढ़ माने जाने वाले क्षेत्र में भाग्य के नाटकीय उलटफेर का प्रतीक है।

मदारीहाट में उपचुनाव तब शुरू हुआ जब अलीपुरद्वार के वर्तमान सांसद और भाजपा के मनोज तिग्गा ने 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए विधानसभा सीट खाली कर दी। क्षेत्र में भाजपा के गढ़ के बावजूद, टीएमसी के जयप्रकाश टोप्पो ने मदारीहाट में 28,000 से अधिक वोटों से जीत हासिल की, जिससे उत्तर बंगाल में पार्टी का प्रभाव और मजबूत हो गया। अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में, टीएमसी ने अपना प्रभुत्व जारी रखा। संगीता रॉय ने सीताई सीट पर 1.3 लाख वोटों के भारी अंतर से जीत हासिल की, उन्होंने बीजेपी के दीपक कुमार रे के खिलाफ 1.6 लाख से अधिक वोट हासिल किए, जो केवल 35,000 वोट ही हासिल कर पाए।

नैहाटी में, टीएमसी के सनत डे ने बीजेपी के रूपक मित्रा को लगभग 50,000 वोटों से हराया, जबकि शेख रबीउल इस्लाम ने हरोआ में जीत हासिल की, उन्होंने एआईएसएफ के पियारुल इस्लाम को 1.3 लाख से अधिक वोटों से हराया।

मेदिनीपुर में, टीएमसी के सुजॉय हाजरा ने भाजपा के सुभाजीत रॉय पर लगभग 34,000 वोटों से जीत का दावा किया। टीएमसी के फाल्गुनी सिंघाबाबू भी तालडांगरा में विजयी हुए, उन्होंने भाजपा के अनन्या रॉय चक्रवर्ती के खिलाफ 34,000 से अधिक वोटों के अंतर से जीत हासिल की।

मुसलमानों ने भी योगी के नेतृत्व में जताया विश्वास : सरवर सिद्दीकी

● महाराष्ट्र व युपी उप चुनाव में भाजपा की जीत की खुंशी में काशी की सड़कों पर जश्न

● ढोल नगाड़े के बीच जमकर थिरके भाजपाई, आतिशबाजी कर खिलाई एक दुसरे को मिठाई

सुरेश गांधी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने 9 में 7 सीट की प्रचंड जीत हासिल की है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव एवं उत्तर प्रदेश विधानसभा उप चुनाव में भाजपा को मिली प्रचंड जीत पर काशी की सडकों पर जश्न का माहौल दिखा. जीत की खुशी में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने जमकर जश्न मनाया। गुलाब बाग स्थित भाजपा कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा कार्यकताओं ने आतिशबाजी कर एक दूसरे को मिठाई खिलाई एवं ढोल नगाड़े की थाप पर जमकर थिरके।

हज कमेटी उत्तर प्रदेश सरकार, दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री.सरवर सिद्दीकी ने बताया कि यह जीत उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डबल? इंजन के सरकार के किए ?गये कार्यों के कारण सम्भव हुआ। श्री सिद्दीकी ने बताया की भाजपा समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति जो समाज में सबसे पिछड़ा है उसके उत्थान के लिए कार्य करती है। श्री सिद्दीकी ने यह भी बताया कि योगी आदित्यनाथ व नरेन्द्र मोदी सरकार ने जो भी योजनाएं बनाई हैं, वह समाज के सभी लोगों के लिए रही। भाजपा कभी भी धर्म जाति वर्ग के आधार पर मतभेद नहीं करती। जो भी योजनाएं हैं वह समाज के सभी लोगों के लिए है। श्री सिद्दीकी ने बताया कि भाजपा उम्मीदवारों ने वहां से भी जीत हासिल की है जहां पैंसठ प्रतिशत से अधिक मुस्लिम मतदाता हैं। इस उपचुनाव में मुसलमानों के भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में वोट देकर साबित कर दिया कि योगी आदित्यनाथ व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बड़ा कोई नेता और मुसलमानों का शुभचिंतक और कोई नहीं है। मुसलमानों का यह कार्य राष्ट्रीय एकता और अखंडता को और मजबूत बनाएगा।

झारखंड के मुख्यमंत्री के भाई बसंत सोरेन दुमका से जीते

दुमका, 23 नवम्बर। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भाई बसंत सोरेन ने शनिवार को दुमका विधानसभा सीट पर 14,588 मतों से जीत दर्ज की। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, दुमका सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार सुनील सोरेन 81,097 मत पाकर दूसरे स्थान पर रहे।

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवार बसंत सोरेन को 95,685 वोट मिले। बसंत सोरेन ने 2020 में दुमका सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा के लुइस मरांडी को 6,842 मतों से हराया था। साल 2019 के विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन ने दो सीटों बरहैट और दुमका से चुनाव लड़ा और दोनों पर जीत हासिल की।

बाद में हेमंत ने दुमका सीट खाली कर दी, जहां से उनके भाई बसंत सोरेन उपचुनाव में निर्वाचित हुए। निर्वाचन आयोग के अनुसार, राज्य के मंत्री और कांग्रेस नेता रामेश्वर उरांव ने लोहरदगा सीट से आजसू पार्टी की नीरू शांति भगत को 34,670 मतों से हराया।

राजस्थान उपचुनाव की 7 में से 5 सीटें भाजपा जीती, कांग्रेस ने गंवाई 3 सीटें

जयपुर, 23 नवम्बर। भाजपा ने राजस्थान में भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया और उपचुनाव में सात विधानसभा क्षेत्रों में से पांच पर जीत हासिल कर ली। कांग्रेस के पास इनमें से चार सीटें थीं। लेकिन वो सिर्फ दौसा जीतने में कामयाब रही, जबकि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) 2008 में अपनी स्थापना के बाद पहली बार खींवसर की अपनी एकमात्र सीट हार गई, जिसे उसका घरेलू क्षेत्र भी माना जाता है। (बीएपी) ने चोरासी को बरकरार रखा।

हालांकि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस चार निर्वाचन क्षेत्रों में तीसरे स्थान पर रही। ऐसा लगता है कि भाजपा, जिसकी सीटें लोकसभा चुनावों में 24 से घटकर 14 रह गईं, को विद्रोहों को रोकने, कांग्रेस की तुलना में अधिक उत्साही अभियान से लड़ने और सत्तारूढ़ पार्टी होने से लाभ हुआ है। कांग्रेस, जो एक समय अच्छे प्रदर्शन के लिए तैयार दिख रही थी, हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद गति खो बैठी और फिर उबर नहीं सकी। नतीजों से जहां मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की छवि मजबूत होगी, वहीं आरएलपी के दिग्गज नेता हनुमान बेनीवाल, कांग्रेस के ओला परिवार और भाजपा के कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा को उपचुनाव में बड़ा झटका लगा है।

चुनाव में भाजपा के पास सिर्फ एक सीट सलूंबर थी, जिसे पार्टी ने बरकरार रखा। जबकि बीएपी के जितेश कटारा ने यहां अधिकांश राउंड में बढ़त बनाए रखी, भाजपा की शांता मीना, अमृत लाल की पत्नी, जिनकी मृत्यु के कारण उपचुनाव की आवश्यकता पड़ी। आखिरी चरण में जितेश को पछाड़ दिया और करीब 1,300 वोटों से सीट जीत ली। भाजपा ने सलूंबर के अलावा झुंझुनू, रामगढ़, देवली-उनियारा और खींवसर सीटें जीतीं। कांग्रेस और आरएलपी के लिए एक बड़े झटके में, भाजपा ने झुंझुनू, जो ओला परिवार का गढ़ था और खींवसर जिसे आरएलपी का गढ़ माना जाता था, जीत लिया। झुंझुनू में भाजपा ने आखिरी बार 21 साल पहले जीत हासिल की थी। उसके बाद, यह सीट 2008, 2013, 2018 और 2023 में कांग्रेस के बृजेंद्र ओला ने जीती, उनके लोकसभा चुनाव से पहले उपचुनाव की आवश्यकता पड़ी। उपचुनाव में, कांग्रेस ने ओला के बेटे अमित को मैदान में उतारा, जो भाजपा के राजेंद्र भांबू से निर्णायक 43,000 वोटों से हार गए।आरएलपी 2008 में अपनी स्थापना के बाद पहली बार खींवसर हार गई। पिछले चुनावों में पार्टी प्रमुख हनुमान बेनीवाल और उनके भाई नारायण बेनीवाल को मैदान में उतारने के बाद, पार्टी ने हनुमान की पत्नी कनिका को मैदान में उतारा, जो भाजपा के रेवंत राम से करीब 14,000 वोटों से हार गईं। देवली-उनियारा में, भाजपा के राजेंद्र गुर्जर ने 41,000 से अधिक वोटों से जीत हासिल की।

उदास लोगों का देश बनना भारत की एक त्रासदी

-ललित गर्ग

भारत उदास, निराश एवं थके हुए लोगों का देश बनता जा रहा है। हम प्रसन्न समाजों की सूची में अव्वल नहीं आ पा रहे हैं। आज अक्सर लोग थके हुए, उदास, निराश नजर आते हैं, बहुत से लोग हैं जो रोजमर्रा के काम करने में ही थक जाते हैं। उनका कुछ करने का ही मन नहीं होता। छोटे-मोटे काम भी थकाऊ और उबाऊ लगते हैं। विडम्बना तो यह है कि लम्बे विश्राम एवं लम्बी छुट्टियों के बाद भी हम खुद को तरोताजा नहीं बना पा रहे हैं। भारत में ऐसे लोगों का प्रतिशत लगभग 48 तक पहुंच गया है, जो चिन्ता का बड़ा सबब है। ऐसे थके एवं निराश लोगों के बल पर हम कैसे विकसित भारत एवं नये भारत का सपना साकार कर पायेंगे? यह सवाल सत्ता के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन करने का अवसर दे रहा है, वहीं नीति-निमार्ताओं को भी सोचना होगा कि कहां समाज निर्माण में त्रुटि हो रही है कि हम लगातार थके हुए लोगों के देश के रूप में पहचाने जा रहे है। खुशहाल देशों की सूची में भी हम सम्मानजनक स्थान नहीं बना पा रहे हैं।

हर साल जारी होने वाली वर्ल्ड हैपिनेस रिपोर्ट, जो संयुक्त राष्ट्र सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशंस नेटवर्क की प्रस्तुति है, बताती है कि कौन देश सबसे ज्यादा खुश और कौन से देश सबसे ज्यादा दुखी हैं? वैश्विक स्तर पर खुशी का स्तर तय करने के कई पैमाने है, जिनमें लोगों की आजादी, स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार, आय जैसी बातें शामिल होती हैं। सबसे अधिक दुखी देशों की लिस्ट में पहला नाम अफगानिस्तान का आता है। इस लिस्ट में भारत की रैंकिंग भी बेहद निराश करने वाली है। भारत में उदास एवं निराश लोगों की स्थिति के कई कारण हो सकते हैं-जनसंख्या वृद्धि दर ज्यादा होना, कृषि पर ज्यादा निर्भरता, आर्थिक विकास की दर कम होना, बेरोजगारी, अशिक्षा, आय में असमानता, भ्रष्टाचार, आंतरिक द्वेष, कमजोर आर्थिक नीतियां एवं जटिल प्रशासनिक प्रक्रिया। दुःख जीवन के उतार-चढ़ाव का एक अभिन्न अंग है। जिस तरह इंसान खुशी, निराशा, उदासी, गुस्सा, गर्व आदि भावनाओं को महसूस करता है, उसी तरह हर कोई समय-समय पर दुःख महसूस करता है। दुःख कभी-कभी इंसान को मोटीवेट करने में भी मदद कर सकता है, लेकिन यह जिजीविषा, खुशहाली, सक्रियता, जोश को भी कम करता है। दुनिया की खुशहाल देशों की सूची में भारत इस वर्ष 143 देशों में 126वें स्थान पर है। यह रैंक पिछले साल के मुकाबले बिल्कुल वही रही है। भारत के पड़ोसी देशों में चीन 60वें, नेपाल 93वें, पाकिस्तान 108वें, म्यांमार 118वें, श्रीलंका 128वें और बांग्लादेश 129वें स्थान पर है।

भारत दुनिया का सबसे उदास देश है। शोधों के निष्कर्ष बताते हैं कि

जलवायु परिवर्तन एवं अत्यधिक गर्मी के कारण 2100 तक भारत में हर साल 15 लाख लोगों की मौत हो सकती है? इसी कारण उदास लोगों की संख्या भी बढ़ सकती है। 2018 की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत सबसे अधिक अवसादग्रस्त देशों की सूची में सबसे ऊपर है। भले ही भारतीयों को स्वभाव से समायोजित और संतुष्ट लोगों के रूप में जाना जाता है, लेकिन यह पता चला है कि वे सबसे अधिक उदास भी हैं। एक तरफ हम खुद को किसी भी चीज में आसानी से समायोजित कर लेते हैं, चाहे वह कम पैसा हो, खराब सड़कें हों, बुनियादी ढाँचे की कमी हो या कुछ भी हो। नेशनल केयर ऑफ मेडिकल हेल्थ के एक अध्ययन के अनुसार लगभग 6.5 प्रतिशत भारतीय गंभीर मानसिक स्थितियों से पीड़ित हैं, चाहे वे ग्रामीण हों या शहरी। सरकार जागरूकता कार्यक्रम चला रही है लेकिन मनोवैज्ञानिकों और मनोचिकित्सकों के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य डॉक्टरों की भी कमी है। भारत के मानव-स्वभाव में उग्र हो रही उदासी एवं निराशा का बड़ा कारण प्रदूषित हवा एवं पर्यावरण है। शुद्ध वायु में ही जीवन है और उसी में जीवन की सकारात्मकता एवं जीवन-ऊर्जा समाहित है। यही हमारी अराजक जीवन शैली को संयमित कर सकती है। कुछ ऐसे रोग जो उपचार योग्य नहीं माने जाते, उन पर अंकुश लगा सकती है। व्यक्ति अपने घर में आहार-विहार को संतुलित करके भी उत्साही एवं प्रसन्न होने का प्रयास कर सकता है। हम सूरज के उगने से पहले उठें। धूप में न बैठने से हम विटामिन डी की समस्या से ग्रस्त हो जाते हैं, जिससे शरीर में उदासी एवं निराशा बढ़ जाती हैं। आमतौर पर विदेशों में लोग नवंबर से जनवरी तक सूर्य स्नान लेते हैं जिससे लोगों को विटामिन-डी मिल जाता है। आज आम लोग शारीरिक श्रम नहीं करते। खान-पान की चीजों में भारी मिलावट है। बाजार की शक्तियां कई तरह के भ्रम फैलाती हैं। पारिवारिक जीवन अनेक दबावों से घिरा है, कॉरपोरेट संस्कृति में रिश्ते, स्वास्थ्य एवं खुशहाली बहुत पीछे छूट रही है। वास्तव में अधिकांश आधुनिक रोग काम न करने की बीमारी है। हम लोग दिमाग को थका रहे हैं, शरीर को नहीं थका रहे हैं। इसी वजह से शरीर को ?भुगतना पड़ रहा है। आदमी पैदल नहीं चल रहा है। स्वस्थ रहने के लिये जरूरी है हम आहार सही ढंग से लें। दरअसल हमारा आहार दवा है। देर रात भोजन करना, देर रात तक जगना एवं सुबह देर से उठना शरीर के साथ अत्याचार करने जैसा है। इन्हीं जटिल से जटिलतर होती स्थितियों ने हमें उदासी दी है। वैसे उदासी, निराशा, थकावट, दुख या खुशी एक ऐसी अवस्था है, जिस पर किसी सर्वे के जरिये एकमत नहीं हुआ जा सकता। फिर भी, ऐसी सूचियों से सकारात्मक प्रेरणा लेते हुए प्रसन्न, उत्साही, सक्रिय समाज की संरचना के लिये तमाम तरह के प्रयास करने में ही भलाई है।

हमारा शीर्ष नेतृत्व आजादी के बाद से ही निरन्तर आदर्शवाद और अच्छाई का झूठ रचते हुए सच्चे आदर्शवाद के प्रकट होने की असंभव कामना करता रहा है, इसी से जीवन की समस्याएं सघन होती गयी है, इसी ने उदासी को बढ़ाया है, नकारात्मकता का व्यूह मजबूत होता गया है, खुशी, उत्साही, जोशीला एवं प्रसन्न जीवन का लक्ष्य अधूरा ही रहा है, इनसे बाहर निकलना असंभव-सा होता जा रहा है। दूषित और दमघोंटू वातावरण में आदमी अपने आपको टूटा-टूटा सा अनुभव कर रहा है। आर्थिक असंतुलन, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, बिगड़ी कानून व्यवस्था एवं भ्रष्टाचार उसकी धमनियों में कुत्सित विचारों का रक्त संचरित कर रहा है। ऐसे जटिल हालातों में इंसान कैसे खुशहाल, जोशीला एवं सकारात्मक जीवन जी सकता है? इन गहन अंधेरों से बाहर निकलते हुए विगत एक दशक में सरकारों के कामकाज एवं नीतियों से एक आशावाद झलका है, लेकिन इंसानों का लगातार निराश एवं उदास होते जाना एक बड़ी चुनौती है।

वैसे भी खुशी, जोश एवं उत्साह महसूस करना व्यक्ति के खुद की सोच पर निर्भर करता है। इसलिये प्रश्न है कि हमारी जोश, तरोताजगी एवं उत्साह का पैमाना क्या हो? विकास की सार्थकता इस बात में है कि देश का आम नागरिक खुद को संतुष्ट, जोशीला, तरोताजा और आशावान महसूस करे। स्वयं आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ बने, कम-से-कम कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिकताओं का सामना करना पड़े, तभी वह निराशा एवं उदासी को कम कर पायेगा। कृत्रिम बौद्धिकता, डिजिलीकरण, आर्थिक नवाचार जैसी घटनाओं ने आम आदमी को अधिक परेशानी एवं कंकाली दी है। समस्याओं के घनघोर अंधेरों के बीच उनका चेहरा बुझा-बुझा है। न कुछ उनमें जोश है न होश। अपने ही विचारों में खोए-खोए, निष्क्रिय और खाली-खाली से, निराश और नकारात्मक तथा ऊर्जा विहीन। हाँ सचमुच ऐसे लोग पूरी नींद लेने के बावजूद सुबह उठने पर खुद को थका महसूस करते हैं, कार्य के प्रति उनमें उत्साह नहीं होता। ऊर्जा का स्तर उनमें गिरावट पर होता है। क्यों होता है ऐसा? कभी महसूस किया आपने? यह स्थितियां एक असंतुलित एवं अराजक समाज व्यवस्था की निष्पत्ति है।

जीत गए तो ईवीएम ठीक, हार गए तो सारा दोष ईवीएम का!

अशोक भाटिया

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव रिजल्ट उस दिशा में है, जो बेहद दिलचस्प है। इधर महाराष्ट्र में सरकार बनाने का दावा कर रही महा विकास अघाड़ी ने हार मान ली है। रुझानों के आते ही संजय राउत का पारा चढ़ गया और प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर वह जमकर बरसे। संजय राउत ने कहा कि उन्हें यह रिजल्ट मंजूर नहीं है। यह फैसला जनता का नहीं हो सकता। महाराष्ट्र की जनता गद्दार नहीं है। संजय राउत ने कहा कि चुनाव रिजल्ट से पहले कुछ गड़बड़ किया गया है। उन्होंने गौतम अडानी के केस का भी जिक्र किया। उन्होंने मांग की है कि बैलट पेपर से फिर से महाराष्ट्र में चुनाव कराए जाएं। इससे लगता है कि उन्हें ईवीएम के रिजल्ट मंजूर नहीं है . उद्धव गुट के सांसद संजय राउत ने कहा, 'महाराष्ट्र के लोग बेईमान नहीं है। हमें नतीजे कबूल नहीं है। यह जनता का फैसला नहीं है, जनता को भी यह फैसला कबूल नहीं है। यह जनता का निर्णय नहीं है।' उन्होंने पूछा कि क्या महाराष्ट्र में संभव है कि शिंदे को महाराष्ट्र में 60 सीटें मिल जाएं? अजित पवार को 40 सीटें मिलें? क्या यह संभव है कि बीजेपी को 125 सीटें मिल रही हैं? यह संभव नहीं है। पर जब झारखण्ड में विपक्ष जीत रहा है तो वहां के बारे में इंडिया गठबंधन के नेता संजय राउत कुछ नहीं बोल रहे है जबकि वहां भी ईवीएम से ही चुनाव हुए है .

इसके पहले भी जब दो राज्यों के जम्मू-कश्मीर और हरियाणा चुनाव नतीजे आए थे । तब जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस-नैशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन की जीत हुई तो हरियाणा में बीजेपी की। लेकिन दोनों परिणामों को लेकर इंडिया गठबंधन की प्रतिक्रिया में जमीन-आसमान का फर्क था। जहां जीते वहां तो लोकतंत्र की जीत। राज्य के साथ 'अन्याय' और 'अपमान' का जनता का करारा जवाब। तरह-तरह के लच्छेदार जुमले। लेकिन जहां हार गए, वहां जनादेश का सम्मान तो दूर, उसे न स्वीकार करने का अहंकार। जीत गए तो ईवीएम ठीक, हार गए तो सारा दोष ईवीएम का।

हरियाणा चुनाव के लिए जब काउंटिंग शुरू हुई तो शुरूआती रुझानों में कांग्रेस बहुमत के आंकड़े को पार कर चुकी थी। लेकिन 1-2 घंटे बाद ही रुझान पलट गए। बीजेपी आगे हो गई। एक बार आगे हुई तो फिर अंतिम नतीजे आने तक आगे ही रही। पिछड़ने के बाद से ही इंडिया गठबंधन ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। पहले काउंटिंग के आंकड़ों के कथित धीमे अपडेट का मुद्दा उठाया। वक्त के साथ जब रुझान निर्णायक मोड़ पर पहुंच गए तब ने ईवीएम पर ही सवाल उठाना शुरू कर दिया। जनादेश को स्वीकार करने के बजाय कांग्रेस ने काउंटिंग की प्रक्रिया पर सवाल उठा दिए। ईवीएम पर उंगली उठाई। साजिश का आरोप लगाने लगे। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि मतगणना के वक्त कई ईवीएम में 99 प्रतिशत बैटरी चार्ज मिली। जिन ईवीएम की बैटरी 60-70 प्रतिशत चार्ज थीं वहां कांग्रेस के अच्छे प्रदर्शन का दावा किया। जहां 99 प्रतिशत बैटरी चार्ज थी वहां बीजेपी की जीत का दावा किया. लेकिन चुनाव आयोग ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि ईवीएम बैटरी की क्षमता और नतीजों में कोई संबंध ही नहीं है।

इंडिया गठबंधन ने हार को स्वीकार कर आत्ममंथन और समीक्षा के बजाय बहानेबाजी का आसान रास्ता चुना लेकिन ऐसा करते हुए वह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की महान लोकतांत्रिक प्रक्रिया और उसकी विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा रही है। हरियाणा में इस बार कांग्रेस के प्रदर्शन में सुधार हुआ है। 90 विधानसभा सीटों वाले राज्य में 2019 में 31 सीट जीतने वाली कांग्रेस ने इस बार 37 सीटों पर जीत हासिल की। वोट शेयर में भी जबरदस्त इजाफा हुआ। पिछली बार कांग्रेस का वोटशेयर 28 प्रतिशत था तो इस बार 39 प्रतिशत यानी 11 प्रतिशत ज्यादा रहा। लेकिन प्रदर्शन में ये सुधार सत्ता तक नहीं पहुंचा पाया। ऐसा क्यों हुआ, उसकी समीक्षा के बजाय पार्टी चुनावी प्रक्रिया पर ही लांछन लगाने लगी है।

वैसे कांग्रेस या विपक्षी दल ऐसा पहली बार नहीं कर रहे। इससे पहले भी अपनी-अपनी सुविधा के हिसाब से पार्टियां ईवीएम पर चुप्पी या हो-हल्ला मचाती रही हैं। ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल तो सबसे पहले बीजेपी ने ही उठाए थे। 2009 की हार के बाद लाल कृष्ण आडवाणी ने ईवीएम पर संदेह किया था। बीजेपी के एक और नेता जीवीएल नरसिम्हा राव ने तो बाकायदे किताब लिखकर ईवीएम पर संदेह जताया था। लेकिन ईवीएम एक बार नहीं, कई बार अग्निपरीक्षा से गुजरी और हर बार बेदाग निकली। जब देश की सबसे बड़ी अदालत से ईवीएम और चुनाव आयोग को क्लीन चिट मिल गई तब इस पर चल रहा विवाद खत्म हो जाना चाहिए था।

निहित स्वार्थ के तहत चुनाव आयोग और ईवीएम को लांछित करने की कोशिशों पर सुप्रीम कोर्ट एडीआर जैसे समूहों को लताड़ लगा चुका है। इसी साल अप्रैल में जब लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही थी तब सर्वोच्च अदालत ने पिछले 70 सालों से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग की तारीफ की और साथ में इस पर दुख जताया कि 'निहित स्वार्थी समूह' देश की उपलब्धियों को कमजोर कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ईवीएम पर 8 बार परीक्षण किया गया और ये हर बार बेदाग निकली। ईवीएम को लेकर कई बार मामले हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट पहुंचे लेकिन हर बार उसकी विश्वसनीयता असंदिग्ध मिली। वीवीपैट पर्चियों और ईवीएम में दर्ज वोटों के मिलान में कभी कोई विसंगति नहीं दिखी। अभी हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कई राज्यों में ईवीएम में दर्ज वोट और वीवीपैट का मिलान हुआ। सब सही पाया गया और ईवीएम बेदाग साबित हुई।

सात साल पहले 2017 में तो चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों या किसी भी व्यक्ति या संगठन को ईवीएम हैक करके दिखाने का खुला चैलेंज दिया था। तब सिर्फ 2 पार्टियों ने ही चैलेंज स्वीकार किया था-एनसीपी और सीपीएम। तय तारीख को दोनों पार्टियों के नेता चुनाव आयोग के दफ्तर तो पहुंचे लेकिन चैलेंज में हिस्सा लेने की हिम्मत नहीं हुई। हां, आम आदमी पार्टी ने जरूर दिल्ली विधानसभा के भीतर प्रहसन किया। विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर जुगाड़ के डिब्बों को ईवीएम का नाम देकर कथित तौर पर हैक करके दिखाया गया। पार्टी ने असली ईवीएम के बजाय 'जुगाड़ डिब्बे' का इस्तेमाल करके सस्ती पब्लिसिटी का हथकंडा अपनाया। चुनाव आयोग कार्रवाई न कर दे, इसलिए विधानसभा के विशेष सत्र की आड़ ली गई।

कुल मिलाकर, ईवीएम कई बार अग्निपरीक्षा से गुजरी है और हर बार बेदाग साबित हुई है। इसका इस्तेमाल चुनाव प्रक्रिया को आसान बनाने और बूथ कैप्चरिंग जैसे अपराधों पर लगाम लगाने के लिए किया गया। बैलट पेपर से चुनाव के वक्त अक्सर बैलट बॉक्स लूटे जाने, उनमें स्याही डालने, बूथ कैप्चरिंग जैसे अपराध सामने आते थे लेकिन ईवीएम का दौर आने से अब वे अतीत का हिस्सा बनकर रह गए हैं। ईवीएम से वोटिंग से परिणाम भी जल्दी आते हैं नहीं तो बैलट पैपर्स की गिनती में ही 1-2 दिन और लोकसभा चुनाव में तो 3-3, 4-4 दिन तक लग जाते थे। सुप्रीम कोर्ट भी बैलट पेपर से वोटिंग कराने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है। ईवीएम की शुचिता असंदिग्ध रहे, इसके लिए मशीन में दर्ज वोटों और वीवीपैट पर्चियों के मिलान होता है। पार्टियां अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़कर अपने समर्थकों का जोश ठंडा होने या उन्हें मायूस होने से तो रोक लेंगे, लेकिन ऐसा करके वे चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को बेवजह दागदार करने की कुत्सित कोशिश ही कर रहे होते हैं। संवैधानिक संस्थाओं को लांछित करने का ये खेल खतरनाक है। चुनाव आते-जाते रहेंगे, हार-जीत होती रहेंगी लेकिन निहित स्वार्थों के तहत चुनाव प्रक्रिया को लेकर जनमानस में संदेह पैदा करने की कोशिशें शर्मनाक हैं। कांग्रेस हो या कोई और पार्टी, आखिर इससे कब बाज आएंगी?

महाते, चौधरी ओर दीवान तो कब के मर गए ?

-आत्माराम यादव पीव वरिष्ठ पत्रकार

सुबह-शाम या दिन में सबकी आँखों के सामने कितने युवा होनहार सरेआम व्यसन करते है, गाँजा पीते है, स्कूल में जुआ खेलते है पर शर्म हाती है की समाज के इतना बड़ा तबका ओर उसके जिम्मेदार खामोश रहकर देखते रहते है, फिर उनका जिम्मेदार होना जिंदा लाश से ज्यादा क्या हो सकता है। कल ही चार बेटियों का पिता बाबू कूचबंदिया मोहल्ले में रोज की तरह सुबह 7 बजे कच्ची शराब पीने गया ओर लौटते समय पत्थर पर गिरते ही मर गया, लगा जैसे बाबू नहीं पूरा समाज मर गया है, महाते चौधरी दीवान तो पहले से मरे थे, वरना क्या कारण थे की दो तीन दशक से समाज के प्रमुख बने बैठे है ओर बाबू जैसे लोग मर रहे है, कभी समाज के लोगों के सुख दुख के लिए उन्हे साथ लेकर बैठने का, उनके घर जाकर समझाने का नैतिक कर्तव्य भूल गए जो पहले के महाते चौधरी दीवान सभी को साथ लेकर करते थे। तब समाज जाग्रत था आज मरा हुआ है,यानि पहले महाते चौधरी दीवान की तो बात छोड़िए अगर मोहल्ले का कोई बुजुर्ग दिख जाता तो व्यसन करने वाला कितने भी पावर रुतवे का हो,व्यसनी राह बदलकर चुपचाप चला जाता। आज समाज की नसों में खून नहीं बचा है, पानी तो पहले ही शर्म से मर गया था, इसलिए समाज रुग्ण बीमार है, उसे अपने घर से अपने बिस्तर से ही मतलब है उसे अपने परिवार से, छोटे भाई बहिन से या उनके परिवार से कोई सरोकार नहीं, फिर महाते चौधरी दीवान आदि इन पर राज करेंगे तो मरे जानवर का भक्षण करने वाले गिद्ध ओर इनमें अंतर क्या बचेगा। रीति रिवाज ओर परम्पराओं से भयभीत समाज जगत दिखावे के लिए समाज के इनकी मनोब्बल करता है ओर ये महाते,चौधरी ओर दीवान इन परम्पराओं की पुंछ पकड़कर समाज को बैतरनी पार कराने की चाह लिए सिर्फ खजाना भरने ओर चरने के लिए यह सब कर रहे है तो समाज इन्हे जिंदा क्यो समझता है, अपने स्वार्थ के लिए, वरना समाज में ये तो तब ही मर गए थे जब इन्होने अपने पद की गरिमा खोकर व्यसनी बाबू जैसे परिवार को लेकर समाज को गर्त में ले जाने के लिए प्रयास करना बंद कर दिये थे। जबकि इनके पूर्वज अपढ़ रहकर समाज के दिये पद दायित्व के रहते समाज को एक माला में पिरोकर रखते ओर अगर कोई भी समाज का व्यक्ति, घर , परिवार गलती करता तो उन्हे दंडित करने के साथ अपने साथ मिलाकर रखते ओर किसी की भी समस्या परेशानी हो सभी मिलजुल हाथोहाथ पूरा कर दूसरे को पता तक नहीं चलने देते थे। पहले के महाते चौधरी ओर दीवान समाज के युवाओं को प्रेरित ओर उत्साहित करते, समाज के लोगों के सुख दुख के साथ उन्हे न्याय देकर उनके जीवन मे खुशहाली लाते आज जैसे समाज के बीमार होने पर यूं ही नहीं छोड़ते। आज उन जैसा एक भी कदम ये नहीं दिखा पा रहे है ओर इस बीमार समाज में परस्पर प्रेम भाईचारा का संबंध स्थापित करना जरूरी है जो हमारी सनातन धर्म का सूत्र ओर रामायण गीता का संदेश है, जिसके लिए ये एक कदम भी आगे नही बढ़े है।

आज भी हम सदियों से अपनी पंचायत परंपरा पर विश्वास करते आ रहे है ओर इसी परिपाटी का परिचालन करने के लिए पंचायत के मुखिया को महाते की पदवी दे रखी है। महाते के नीचे चौधरी, दीवान, जमादार ओर कोषाध्यक्ष का पद है तथा जिस गौत्र में जिस परिवार के सदस्य को यह उपाधि दी गई है वह पीढ़ी दर पीढ़ी एक ही परिवार में उनकी संतान को मिलती रही है, किन्तु इनकी योग्यता को लेकर समाज में कभी भी सवाल जबाव नहीं हुये है। समय बदला है, इन पदों पर नैतिकता ओर आदर्श के मूल्य खो गए है ओर वे लोग भी काबिज है जो समाज की मान्य परम्पराओं की कसौटी पर एक पल भी खरे साबित नही होते, परंतु बेशर्मीपन की हद देखिये इस श्रेणी के लोग काबिज है। समाज में पंचायत नहीं रही किन्तु पंचायत के नाम पर सब चल रहा है ओर कोई इनके खिलाफ कुछ बोलने की हिम्मत नहीं रखता। समाज से आमदनी के जितने भी खेत चरोखर है उन्हे महाते, चौधरी दीवान के ढोर चर रहे है, मजाल है इनके ढोरों को कोई डंडा दिखाने का साहस कर सके।

आज से तीन-चार दसक पहले समाज में होने वाली पंगतों में परसइया यानि परसने बाले का बड़ा महत्व था। लंबी लंबी कतारों में पत्तले परोसी जाती तब भी महाते चौधरी दीवान आदि की सेवकाई करने वाले परसइया होते जिन्हे वे घर का परसइया कहते, बाद में पता चलता की इनकी पत्तलों के इर्दगिर्द ही इनकी सेवा के लिए परस होती ओर ये मजे से बड़े बड़े कौर मसक के खाते जबकि उनकी ही लाइन में कुछ दूरी पर एक बार परस के बाद दुबारा परसईया नहीं पहुच पाता था। कई बच्चे भरपेट भोजन की जगह कलेबा भर कर पाते तब वे दूसरी तीसरी पंगत में तो नहीं बैठ पाते किन्तु महिलाओ की पंगत में अपने परिवार की माँ बहनो बुआ आदि के बीच ठस कर पेज भर पाते थे। तब के परसईया का रुआब भी हुआ करता था कोई आधे पेट तो खोई भूखा ही रह जाता था। ठंड के दिनों में पंगत जीमने के बाद लकड़ी के अलावों के पास लोग हाथ पैर सेकते समय एक कहावत सुनाते कि महाते के ढ़ोर चर गए खेत चरोखर, किन्तु तब कुछ नहीं समझ पाते परंतु पंगत की इस दुर्दशा पर कोई न कोई खामोशी तोड़कर इसका अर्थ महाते चौधरी दीवान आदि के ढ़ोर यानि उन्हे ढ़ोने वाले लोगों पर आरोप जड़कर कोसते परंतु ये पंचायत कि ढाल होने से बात समाप्त कर देते।

बात पंचायत के खेत चरोखर कि भी उठती है। सवाल है तो जवाब भी मिलना चाहिए कि पंचायत के खेत ओर चरोखर को कौन चर रहा है, अगर पंचायती खेत है तो आमदनी समाज के किन अच्छे कामों ओर जरूरत मंदो में खर्च होती है ? चरोखर तो बहुत है जो पूर्वजों ने तैयार किए ताकि इन चरोखरों से पंचायत को आमदनी हो ओर समाज के जिन परिवारों के द्वारा सगाई, विवाह, पूजा पाठ हवन आदि मांगलिक कार्यों के लिए एक न्यूनतम राशि प्राप्त करने के साथ न्याय दिलाने के लिए पंचायत करने पर पक्षकारों को दंडित कि गई राशि वसूल कर समाज के आयोजन पर लगाया जाए? इन चरोखरों से सालभर में कितना पैसा समाज या पंचायत के पास आया, धर्मशाला, स्कूल भवनों, पंचायती दुकानों आदि कि कितना किराया मिला आदि का कोई व्यवस्थित हिसाब या आडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करने में ये सामाजिक पंचायते सफल नहीं रही है, जिसका सीधा अर्थ माथे के ढ़ोर इन्हे चर रहे है।

समाज को पता होता है कि महाते, चौधरी, दीवान आदि नैतिक रूप से अपने पद पर रहने के योग्य नहीं, पर सुसरी राजनीति ने न्यायिक सिद्धांतों को अंगूठा दिखा रखा है ओर पूरा समाज कुंभकरण की तरह गहरी नींद सो रहा है। पंडितो का काम दान दक्षिणा खाना है अगर कोई दान दक्षिणा के साथ सीदा भी भेजे तो पंडित उसके सारे बिगड़े गृहों को मंत्र फूँक आवाज से उस प्रकार लाइन में बिठलवा देगा ताकि यजमान का संकट एक ही झटके में कट जाए ओर सीधा वह राज्ययोग का उत्तराधिकारी बन जाये। समाज में महाते चौधरी दीवान में कभी किसी बात की होड नहीं होती, पर जो समाज में बिगड़ी व्यवस्था सुधारने आएगा तो समझ लीजिये होम करते हुये उसके हाथ जल गए है। समाज रसातल में पहुच गया है, समाज की लड़्किया सबसे निम्न जाति के घरों में विवाह कर रही है, किन्तु पंचायत में नपुसंकता का डेरा है जो न्याय की कुर्सी पर न्याय कर सकते है वे डरे हुये है, उनमे आत्मबल समाप्त हो गया है जो समाज के सबसे निचले परिवार के साथ न्याय करने, उनके साथ खड़ा होने की हिम्मत नहीं रखता अगर यह ताकत दिखाते तो समाज में वर्णसंकर प्रजाति की शुरूआत की नीव न पड़ने देते। जिस पत्तल में खाना खाये उसी में छेड़ करने का दोष तो लग गया है, इसलिए कोई भी चोखी सुनाकर कान मरोड़े तो कानो को मजबूत रखना होगा। घर के परसइया के रहते सावन के अंधे बने रहकर जो हरा हरा देखा है, ओर मौन रहकर जो समाज के साथ घोर अन्याय किया है आपका यह अपराध उसी प्रकार का है जैसे खेत खुद ही बीज को खा रहा है, अर्जुन खुद द्रोपदि का चीर खेंच रहा है,अग्नि परीक्षा में सीता जी खुद भस्म हो रही है, समझ लेना तुम्हारी पंचायत में जी हजूरी वालों की भीड़ है जिन्हे सामाजिक सरोकार से कोई मतलब नहीं। अगर यह बात आप पर लागू होती है तो फौरन समाज से, पंचायत से माफी मांगकर नए लोगों के लिए नई पंचायत का गठन करा कर अपने पूर्वजों द्वारा किए गए न्याय व समाज को एक मुट्ठी में रखने की अपनी नैतिक जिम्मेदारी का पालन करने जुट जाइये अगर आप इस बार खड़े नहीं हुये तो आने वाली पीढ़ी आपको कभी भी क्षमा नही करेगी।

संयम श्रम और सात्विक आस्था के साथ सुनहरे भविष्य की ओर बढ़े

संजीव ठाकुर

हमें सदैव वर्तमान संघर्ष के साथ जीना चाहिए, इतिहास से शिक्षा और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव अग्रसर होते रहना चाहिए। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने या समृद्ध बनाने के लिए वर्षों की मेहनत अथक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ संयम एवं उच्च मनोबल की आवश्यकता होती है, तब जाकर ही राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र बन पाता है। आजादी के 75 वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 141 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। एक बहुत अच्छी कहावत है कि ₹आशाओं पर आकाश टिका हुआ है₹ और निसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार चमत्कार करती आई है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है। फिर यदि लक्ष्य मेडिकल साइंस में किसी नई दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिसर्च में नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश मे विकास की नई धारा को प्रवाहित करना हो, तो सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला तत्व होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए उस पर पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चतम अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलंपिक में बिना पदक की लालसा के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मैदान में बहाता है तो वह लक्ष्य प्राप्ति की ओर लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरूआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफ से पूरी पूरी कोशिश करनी होगी एवं लक्ष्य के साथ दे तथा साधनों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर उस के संदर्भ में उसके अंतर्निहित हर तत्व को भलीभांति पहचान कर उस पर मेहनत करनी होगी अन्यथा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यदि मेहनत और कठोर श्रम न किया जाए तो असफलता ही हाथ लगती है ।यही वजह है कि जिन भी बड़े लोगों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है निसंदेह उन्होंने कठिन परिश्रम अपने लक्ष्य के लिए किया था, है और करेंगे। हर बड़े कार्य को करने के लिए अच्छी योजना ,अच्छा आकलन एवं उस सफलता को अपना बनाने के लिए सही विचार तथा नीतियां बनानी होगी एवं अपने उपलब्ध संसाधनों का विश्लेषण तथा अवलोकन कर उसकी क्षमता का आकलन करना होगा। केवल हवा में सकारात्मक सोच और मनोबल के दम पर किसी बड़े लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। उत्तम एवं बड़े सकारात्मक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक बड़ी सोच अथक मेहनत एक सुनियोजित नीति एवं पृष्ठभूमि में शांत चित्त मस्तिष्क की आवश्यकता होती है।

सर्वप्रथम हमारे सामने जो उपलब्ध वर्तमान का समय है वर्तमान के अवसर संपूर्ण सदुपयोग कर भविष्य की तमाम सफलताओं को सुनिश्चित किया जा सकता है। हमें सदैव चौकन्ना रहकर जो हमारे सामने समय सीमा है एवं समय के अवसर हैं उन्हें पहचान कर उसका संपूर्ण दोहन कर उपलब्ध संसाधनों का परीक्षण कर समेकित रूप से सब का समुचित उपयोग कर लक्ष्य की प्राप्ति की ओर जागृत होना चाहिए। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा की करोना काल में हमें आपदा में अवसर की तलाश करनी चाहिए और अवसर ही हमें किसी भी विकट परिस्थिति से लड़ने एवं उस पर नियंत्रण रखने की शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह सकारात्मक सोच का ही परिणाम है की कोविड-19 के संक्रमण में भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में उस पर प्रभावी नियंत्रण किया एवं उस पर विजय प्राप्त की है। यह आसान काम नहीं था किंतु पूरे देश के नागरिकों एवं अग्रिम नेताओं की सकारात्मक सोच तैयारी एवं संसाधनों के समुचित प्रयोग से ही संभव हो पाया। आज हमारे सामने समाज में जो भी हमारे प्रेरणा स्रोत हैं, वे कभी चुनौतियों के सामने झुके नहीं और ना ही उन्हें किसी प्रकार की समाजिक कठिनाई अथवा चुनौती झुका पाई और यही कारण है की वह हमारे प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं। इस संदर्भ में हर व्यक्ति को सकारात्मक सोच रख कर अपने मौजूदा संसाधनों का संपूर्ण दोहन कर सटीक नीति और भविष्य की योजनाएं बनाकर उस पर मेहनत करनी होगी और मेहनत से उपजे आत्मबल तथा संयम के साथ किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संपूर्ण ऊर्जा समेकित रूप से केंद्रित कर उस लक्ष्य की प्राप्ति करनी होगी। नागरिकों के समेकित प्रयास अच्छी सोच और कड़ी मेहनत से ही संपूर्ण राष्ट्र वैश्विक स्तर पर एक आदर्श तथा प्रेरणादायक राष्ट्र बनने की क्षमता की ओर आगे बढ़ सकता है।

मोबाइल में नग्न तस्वीर देख पत्नी को हुआ शक

अलीगढ़। क्वार्सी क्षेत्र के कोचिंग सेंटर में शिक्षक ने एक छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। ट्यूटर की पत्नी ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। इसी बीच छात्रा के स्वजन भी गए, जिन्होंने हंगामा कर दिया। आरोप लगाया कि शिक्षक आठ माह से उसका शोषण कर रहा है। स्वजन व छात्र कोचिंग के बाहर धरने पर बैठ गए। नारेबाजी की गई। हंगामा बढ़ता देख आरोपित ने छात्रा को बाहर निकालकर स्वयं को कमरे में बंद कर लिया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने समझाकर हटाया, जिसके बाद आरोपित को कमरे से निकालकर थाने ले जाया गया। देर रात तक मामले में कोई तहरीर नहीं दी गई थी।

क्वार्सी क्षेत्र के एक इलाके में रहने वाली किशोरी 12वीं की छात्रा है। वह सुरेंद्र नगर स्थित निजी कोचिंग में पढ़ने जाती है। दो दिन पहले शिक्षक की पत्नी ने उसके मोबाइल फोन में छात्रा की निर्वस्त्र तस्वीर देख ली। शक होने पर उसने मौका तलाशना शुरू कर दिया।

स्नेहा दुबे को विजयी होने पर लोगों ने दी बधाई

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। विधानसभा वसई भाजपा प्रत्याशी स्नेहा दुबे ने आज जीत का परचम लहराते हुए भारतीय जनता पार्टी को दिया अपना वादा पूरा किया। स्नेहा दुबे की जीत पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने जीत की हार्दिक शुभकामना दिया। स्नेहा दुबे की जीत पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने तन मन से एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। वसई रोड की विभिन्न वार्डों में भाजपा कार्यकर्ताओ ने गाजे बाजे के साथ अपने प्रत्याशी की जीत पर खुशी का इजहार करते हुए मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। जीत के बाद स्नेहा नेहा दुबे ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत हमारी नहीं कार्यकर्ताओं और वसई रोड की जनता की है।

महाराष्ट्र में हार को राहुल गांधी ने बताया अप्रत्याशित, बोले- विश्लेषण करेंगे

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के फ्लॉप शो के बाद राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र के नतीजे अप्रत्याशित हैं। महायुति गठबंधन ने 200 से अधिक सीटें हासिल करके चुनाव में जीत हासिल की है, जबकि एमवीए 50 सीटों के आंकड़े तक पहुंचने में विफल रहा। राहुल ने एक्स पर लिखा कि महाराष्ट्र के नतीजे अप्रत्याशित हैं और इनका हम विस्तार से विश्लेषण करेंगे। प्रदेश के सभी मतदाता भाई-बहनों को उनके समर्थन और सभी कार्यकताओं को उनकी मेहनत के लिए धन्यवाद।

झारखंड चुनावों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, जहां इंडिया ब्लॉक ने आसान अंतर से जीत हासिल की, राहुल गांधी ने लिखा कि झारखंड के लोगों का INDIA को विशाल जनादेश देने के लिए दिल से धन्यवाद। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी, कांग्रेस और झामुमो के सभी कार्यकर्ताओं को इस विजय के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गठबंधन की यह जीत संविधान के साथ जल-जंगल-जमीन की रक्षा की जीत है। कांग्रेस ने महाराष्ट्र में अब तक के सबसे खराब प्रदर्शन के बाद अपनी हार का सिलसिला जारी रखा और झारखंड में सत्तारूढ़ झामुमो के दूर के कनिष्ठ भागीदार के रूप में समाप्त हो गई, जिससे विपक्षी गुट में उसकी भूमिका और भी कम हो गई क्योंकि अन्य सहयोगी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। जबकि झारखंड में इंडिया ब्लॉक की जीत कुछ सांत्वना थी, हरियाणा में उलटफेर के बाद महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्य को खोने से गठबंधन राजनीति के इस युग में सबसे पुरानी पार्टी की व्यापक सौदेबाजी की शक्ति कमजोर होने की संभावना है। नांदेड़ लोकसभा उपचुनाव में भाजपा के हाथों हारने के बाद लोकसभा में कांग्रेस पार्टी की ताकत भी घटकर 98 सीटों पर आ गई। महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के खराब प्रदर्शन ने भविष्य में राज्य से राज्यसभा सीटें मिलने की उम्मीदें खत्म कर दीं। दूसरी ओर, एनडीए अपनी शानदार जीत के साथ द्विवार्षिक चुनाव के अगले चक्र में उच्च सदन में बहुमत हासिल करने के लिए तैयार है। महाराष्ट्र में विपक्षी एमवीए की प्रमुख पार्टी होने के बावजूद, कांग्रेस विपक्षी गुट का वजन खींचने में विफल रही और एनडीए सुनामी के सामने धराशायी हो गई।

नए शोध के अनुसार नियमित रूप से बादाम खाने से एक्सरसाइज के बाद रिकवरी बेहतर हो सकती है

मुंबई/पटना। एक नए अध्ययन में पता चला है कि नियमित रूप से बादाम खाने से एक्सरसाइज के बाद दर्द और मांसपेशियों की क्षति को कम करते हुए रिकवरी में मदद मिल सकती है। वहीं मांसपेशी भी अच्छी तरह काम करती हैं। ऐसा खाना जो एक्सरसाइज की वजह से होने वाली मांसपेशियों की थकान और दर्द को कम करते हुए ठीक होने में मदद करते हैं, उससे लोगों को एक्सरसाइज की अपनी दिनचर्या पर कायम रहने में मदद मिल सकती है। ये नए परिणाम वैज्ञानिक प्रमाणों की लगातार बढ़ रही संख्?या में शामिल है जिनमें बताया गया है कि एक्सरसाइज के बाद बादाम रिकवरी में कैसे असर दिखाता है। पहले के अध्ययनों में थकान और एक्सरसाइज मेटाबॉलिज्म. पर बादाम के प्रभावों के बारे में पड़ताल की गई। साथ ही बादाम खाने से मांसपेशियों के दर्द और क्षमता पर बादाम खाने के प्रभाव के बारे में पता लगाया गया। करेंट डेवलपमेंट्स इन न्यूट्रिशन में प्रकाशित और आमंड बोर्ड ऑफ कैलिफोर्निया द्वारा वित्तपोषित इस नए अक्रमिक क्रॉसओवर अध्ययन में हफ्ते में एक से चार घंटे अध्ययन करने वाले 26 मध्यम आयु-वर्ग के वयस्कों पर शोध किया गया। स्वस्थ या थोड़े ओवरवेट (बॉडी मास इंडेक्स, (बीएमआई) 23-30) उन वयस्कों ने आठ हफ्तों तक रोजाना दो औंस (57 ग्राम) साबुत बादाम खाया या कैलोरी अनुकूल (तीन औंस/86 ग्राम) अनसॉल्टेड प्रेट्जेल खाया। आठ हफ्तों तक बादाम खाने या चार हफ्तों के वॉशआउट अवधि के साथ दो अंतराल के बीच में नियंत्रित रूप से खाना खाने के बाद अध्ययन में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों ने मांसपेशियों की क्षति को बढ़ाने के लिए 30-मिनट का डाउनहिल ट्रेडमिल रन किया। इसके तुरंत बाद ही उन्हें रोजाना का दो औंस (57ग्राम) बादाम या कैलोरी अनुकूल प्रेट्जेल दिए गए। ट्रेडमिल पर दौड़ लगाने के बाद उन प्रतिभागियों ने तीन दिनों तक अपने रोजाना की बादाम या प्रेट्जेल की मात्रा ली। शोधकताओं ने ट्रेडमिल पर दौड़ने से पहले और ट्रेडमिल पर दौड़ लगाने के 24 घंटे , 48 घंटे और 72 घंटों के बाद प्रतिभागियों के मांसपेशियों के दर्द, उसकी परफॉर्मेंस (मांसपेशियों के सिकुड़न परीक्षण और वर्टिकल जम्प के माध्यम से मूल्यांकन किया गया) तथा मांसपेशियों की क्षति/सूजन (क्रिएटिन काइनेज, सी-रिएक्टिव प्रोटीन, मायोग्लोबिन और एंटीऑक्सीडेंट क्षमता) के रक्त संकेतों का पता लगाया।

ललितपुर में 28 किलोग्राम गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

महरौनी। ललितपुर जिले के महरौनी थाना क्षेत्र में पुलिस ने अनुमानित तीन लाख रुपये की कीमत का 28 किलोग्राम गांजा बमराद किया और दो तस्करों को पकड़ा है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि शुक्रवार को कस्बे के सुंदरम ढाबे के नजदीक वाहनों के जांच अभियान के दौरान एक कार को रुकवाकर उसकी तलाशी ली गई, जिसमें 28 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि कार सवार दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिनकी पहचान जालौन के निवासी अंकित द्विवेदी (26) और चित्रकूट के निवासी शुभम यादव (24) के रूप में हुई। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों का अपराधिक रिकॉर्ड है। उन्होंने बताया कि बरामद किए गए गांजे की अनुमानित कीमत तीन लाख रुपये है।

हिंदुत्व की आधी में बह गए मुजफ्फर हुसैन और गीता जैन

नरेंद्र मेहता की 60,433 मतों से शानदार जीत

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर विधानसभा मे भाजपा कमल खिलाने मे सफल रही. पिछली बार निर्दलीय उम्मीदवार गीता जैन से हारने के बावजूद इस बार पार्टी ने फिर से नरेंद्र मेहता पर दाँव लगाया था, जो सटीक साबित हुआ. मेहता ने इस बार ना सिर्फ एक लाख से ज्यादा मतों का आकड़ा पार किया बल्कि अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के मुज्जफर हुसैन को रिकॉर्ड 60,433वोटो से मात दी. नरेंद्र मेहता को कुल 1,44,376 लोगो का समर्थन मिला तो मुज्जफर हुसैन 83,943 वोटो के साथ दूसरे स्थान पर रहे. वही पूर्व विधायक और एक बार फिर निर्दलीय के तौर पर मैदान मे उतरी गीता जैन को मात्र 23,051मतों से संतोष करना पड़ा और अन्य निर्दलियो की तरह वो भी अपनी जमानत नहीं बचा पायी.इस चुनाव मे भाजपा के विधानसभा प्रमुख एड. रवि व्यास किंगमेकर साबित हुए और संघठन सर्वोपरि एवं सिर्फ कमल निशान को जिताने की उनकी भूमिका कारगर साबित हुई. गौरतलब है की जब पार्टी ने नरेंद्र मेहता के नाम का ऐलान किया तो उनके समर्थकों मे एक मायूसी दिखाई पड़ी और कुछ लोगो ने बगावत का रुख भी अपना लिया. उन्होंने अपने समर्थकों को समझाया और व्यक्ति नहीं पार्टी आदेश और कमल के लिए काम करने को तैयार किया. यहाँ तक की प्रचार के पहले दिन से ही रवि व्यास, नरेंद्र मेहता के साथ सभी रैली और मंच पर नजर आये. साथ ही अपने समर्थकों और नरेंद्र मेहता की टीम के साथ समन्वय स्थापित कर घर घर तक कमल का

प्रचार किया. भायंदर पश्चिम, भायंदर पूर्व और मीरा रोड़ के जिन इलाको मे पिछली बार गीता जैन ने बढ़त हासिल की थी उन जगहों पर डोर टो डोर प्रचार अभियान के जरिये पकड़ मजबूत की. मीरा भायंदर वैसे तो भाजपा का गढ़ रहा है लेकिन यहाँ चल रही आपसी खींचतान पार्टी के लिए सिरदर्द साबित हो रही थी ऐसे मे पार्टी भावना और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के आदेशानुसार रवि व्यास ने सभी को एकजुट कर प्रत्याशी और कमल निशान को प्रथमिकता दी जिसका नतीजा रहा की नरेंद्र मेहता को इतने बड़े अंतर से जीत मिली. असली भाजपा, नकली भाजपा एवं असली हिंदुत्व और नकली हिंदुत्व के इर्द गिर्द चले इस चुनाव मे रवि व्यास ने संघठन और कमल इन दो ही मुद्दों पर और सिर्फ विकास के नारे के साथ जिस तरह से पार्टी प्रत्याशी के लिए काम किया उससे ये जीत और आसान हो गयी.और इसलिए उन्हें मेहता की जीत का शिल्पकार और किंगमेकर कहा जा रहा है. बहरहाल गीता जैन की सभाओ मे उमड़ रही भीड़ ने जो माहौल बनाया गया था वो वोटो मे तब्दील नहीं हो पाया और उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा तो वही मुज्जफर हुसैन पिछली बार के मुकाबले करीब 26 हजार वोट ज्यादा जुटाकर थोड़ी बहुत टक्कर देते जरूर नजर आये लेकिन आखिरकार जीत का सेहरा नरेंद्र मेहता के सिर सजा और वो अच्छी मार्जीन के साथ दूसरी बार विधायक बनने मे सफल हुए.

मुंबई में सर्वाधिक मतों से विजई हुए संजय उपाध्याय

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई में चली बीजेपी की आंधी के बीच बोरीवली से विजई होने वाले भाजपा प्रत्याशी संजय उपाध्याय ने 100257 मतों से विजय प्राप्त कर मुंबई में सबसे अधिक मतों से विजई होने वाले प्रत्याशी के रूप में अपना नाम दर्ज करा लिया है। संजय उपाध्याय की इस ऐतिहासिक जीत पर उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। विज्ञान से स्नातकोत्तर(एमएससी) संजय उपाध्याय छात्र जीवन से ही आरएसएस से जुड़े रहे। अत्यंत विनम्र, शालीन , उदार और मिलनसार होने का उन्हें अतिरिक्त लाभ मिला। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी, भारतीय सद्विचार मंच के संस्थापक अध्यक्ष डॉ राधेश्याम तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार घनश्याम

गोसावी, उत्तर भारतीय मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष चित्रसेन सिंह, भाजपा प्रवक्ता उदय प्रताप सिंह, भाजपा नेता उग्रसेन सिंह, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, डॉ नागेश पांडे, पत्रकार राजेश उपाध्याय, हास्य कवि सुरेश मिश्रा, समरस फाउंडेशन के महासचिव मानिकचंद यादव, पूर्वांचल विकास परिवार के अध्यक्ष डॉ द्रिगेश यादव, समाजसेवी मुकुंद शर्मा, दीपक सिंह, समाजसेवी डॉ शैलेश यादव, समाजसेवी गोविंद यादव समेत अनेक लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए खुशी जाहिर की है।

उल्हासनगर में भाजपा प्रत्याशी कुमार आयलानी भारी मतों से विजयी

चेतन निर्मल

उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी कुमार आयलानी ने इतिहास रच दिया। 2004 से चल रही आयलानी बनाम कालानी की राजनीतिक जंग में इस बार आयलानी ने ओमी पप्पू कालानी को 30,754 वोटों के प्रचंड अंतर से हराकर बड़ी जीत दर्ज की है। यह जीत नगर की राजनीति में सत्ता संतुलन के एक नए युग का संकेत देती है।

कालानी समर्थकों के लिए करारा झटका 2019 के विधानसभा चुनाव में आयलानी ने स्वर्गीय श्रीमती ज्योति पप्पू कालानी को मात्र 1,950 वोटों के मामूली अंतर से पराजित किया था। लेकिन इस बार की प्रचंड जीत ने कालानी परिवार के प्रभाव को सीधी चुनौती दी है। कालानी समर्थकों के बीच यह हार एक गहरी चिंता का विषय बन गई है।

पूरे जोर-शोर के बावजूद हार का सामना इस चुनावी मुकाबले में पूर्व विधायक पप्पू कालानी ने अपने बेटे ओमी कालानी के लिए पूरी ताकत झोंक दी थी। बावजूद इसके, इतनी बड़ी पराजय ने नगर की राजनीति में कालानी परिवार की पकड़ को कमजोर कर दिया है।

राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि यह जीत सिर्फ वोटों के अंतर का नहीं, बल्कि जनता के बदलते रुझान का भी प्रतीक है। कुमार की बढ़ती लोकप्रियता और उनके विकास कार्यों के प्रति जनसमर्थन ने इस चुनाव को उनके पक्ष में निर्णायक बना दिया नगर का भविष्य अब इस ऐतिहासिक जीत के बाद नई दिशा की ओर बढ़ेगा।

महायुति की जीत की खुशी में 'सत्यवादी' ने बांटे लड्डू

मुंबई(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों में एनडीए को मिले प्रचण्ड बहुमत की खुशी में सामाजिक संगठन 'सत्यवादी' ने शनिवार को जोगेश्वरी (पश्चिम) के आनंदनगर,न्यू. लिंक रोड स्थित संस्था कार्यालय पर संगठन के कार्यकताओं ने गाजे-बाजे के साथ एक-दूसरे के साथ खुशियों का इजहार किया और लड्डू बांटे। इस मौके पर 'सत्यवादी' चेयरमैन और भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा,महराष्ट्र के उपाध्यक्ष एसएम खान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की कार्यकुशलता से जनता बहुत खुश है। महाराष्ट्र के चुनावी नतीजों में पूर्ण बहुमत के साथ एनडीए की सरकार बन रही है।

यह जनता के लिए बड़ी उपलब्धि है। जनता ने भाजपा की कार्यकुशलता पर विश्वास की मुहर लगाई है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से घनश्याम यादव, पंकज शर्मा, मिथिलेश विश्वकर्मा, आरके दुबे, इस्माइल शेख, मनोज यादव, राजेश चौहान, अनुराधा बाविस्कर आदि संगठन के कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

बीजेपी के नीतेश राणे ने लगाई हैट्रिक, 58007 वोटों से दर्ज की जीत

मुंबई। बीजेपी के नितेश नारायण राणे ने संदेश पारकर को 58,007 वोटों से हराया है। पिछले विधानसभा चुनाव 2019 में बीजेपी के नितेश नारायण राणे ने शिवसेना के सतीश जगननाथ सावंत को हराकर कांकावली सीट जीती थी। महाराष्ट्र शनिवार को भगवा रंग में रंगा हुआ था और मतदाताओं ने भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन को लड़खड़ाती एमवीए पर भारी जीत दिलाई, जबकि विपक्षी भारत गुट झारखंड में सत्ता में लौटने के लिए तैयार दिख रहा था। जैसे ही दोनों राज्यों में विधानसभा चुनावों के लिए वोटों की गिनती हुई, यह भाजपा में जश्न का समय था, क्योंकि पार्टी महाराष्ट्र के पावरहाउस राज्य में लड़ी गई 149 सीटों में से 125 सीटें जीतने की ओर अग्रसर थी। अपने सहयोगियों शिव सेना और राकांपा के साथ मिलकर, सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन राज्य की 288 सीटों में से 219 सीटें जीत सकता है, जिससे कांग्रेस-शिवसेना (यूबीटी)-राकांपा (सपा) गठबंधन सिर्फ 51 सीटों पर रह जाएगा। 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के नितेश राणे ने कंकावली सीट पर 28,116 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। उन्हें 56.16 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 84,504 वोट मिले। उन्होंने शिव सेना के उम्मीदवार सतीश जगन्नाथ सावंत को हराया, जिन्हें 56,388 वोट (37.48%) मिले थे। कांग्रेस उम्मीदवार सुशील अमृतराव राणे 3,355 वोट (2.23%) के साथ तीसरे स्थान पर रहे। कुल वैध मतों की संख्या 1,86,718 थी। 2014 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में नितेश राणे ने कांग्रेस के टिकट पर कांकावली सीट 25,979 वोटों के अंतर से जीती थी। उन्हें 47.91% वोट शेयर के साथ 74,715 वोट मिले। उन्होंने बीजेपी उम्मीदवार जथर प्रमोद शांताराम को हराया, जिन्हें 48,736 वोट (31.25%) मिले थे. शिवसेना उम्मीदवार सुभाष मयेकर 12,863 वोट (8.25%) के साथ तीसरे स्थान पर रहे। कुल वैध मतों की संख्या 1,55,959 थी।

चुनाव जीतने के बाद राजन नाइक ने कार्यकर्ताओं का किया धन्यवाद

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। विधानसभा नालासोपारा के भाजपा प्रत्याशी राजन नाइक विजई होने के बाद सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए मतदाताओं के प्रति भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता ने यह जीत सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात एक कर दिए और जनता तक भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा किए गए कार्यों को पहुंचाने का कार्य किया। जिसका परिणाम था कि आज भारतीय जनता पार्टी अपनी सहयोगियों के साथ पुर्ण बहुंमत से सरकार बनाने जा रही है। राजन नाइक के विजई होने पर नालासोपारा के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं ने गाजेबाजी से एक दूसरे का आभार व्यक्त किया और मुंह मीठा किया। उनके आवास पर आज कार्यकर्ता व स्थानी नागरिकों का शुभकामना देने के लिए जमावड़ा लगा रहा।

हॉट सीट कोपरी-पचपाखड़ी विधानसभा से सीएम शिंदे की शानदार जीत

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को कोपरी-पचपखाड़ी सीट 1,20,717 वोटों से बरकरार रखी। पिछले विधानसभा चुनाव 2019 में एकनाथ शिंदे ने कांग्रेस के घासीगांवकर संजय पांडुरंग को हराकर कोपरी-पचपखाड़ी सीट जीती थी। मुंबई से सटे अपने गृह क्षेत्र ठाणे में जबरदस्त प्रभाव रखने वाले शिंदे को 78.4 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ 1,59,060 वोट मिले। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी शिव सेना (यूबीटी) के उम्मीदवार केदार दिघे, जो शिंदे के गुरु दिवंगत आनंद दिघे के भतीजे हैं, को 38,343 वोट मिले। शिंदे ने 2022 में बाल ठाकरे द्वारा स्थापित पार्टी को विभाजित करने के लिए तत्कालीन शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था और सीएम बनने के लिए भाजपा के साथ चले गए थे। जबकि विभाजन से सेना के दो गुटों के बीच कड़वाहट पैदा हो गई। अंततः उन्हें पार्टी का नाम और उसका 'धनुष-तीर' प्रतीक मिल गया।

जीत के बाद एकनाथ शिंदे ने देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता में कहा कि आज जनता ने दिखा दिया कि बालासाहेब की शिवसेना कौन सी है। वे (कांग्रेस) जहां भी हारते हैं, आपत्ति जताते हैं...क्या झारखंड में ईवीएम सही है। जब वे जीतते हैं तो ईवीएम सही होती है, जब हारते हैं तो ईवीएम में समस्या होती है... हमारी सरकार आम आदमी की सरकार थी, महिलाओं, बच्चों और किसानों को उनके अविश्वसनीय समर्थन के लिए मैं उनका आभारी हूं हमारे लिए बिंदु। हम आम आदमी को परिवर्तित करना चाहते हैं सुपरमैन। मेरे लिए सीएम का फुल फॉर्म चीफ मिनिस्टर नहीं, कॉमन मैन है। यह महायुति की रिकॉर्ड तोड़ जीत है। हम पूरे महाराष्ट्र के आभारी हैं... हमने एमवीए द्वारा लगाए गए सभी रोक हटा दिए हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति की प्रचंड जीत के बाद एनसीपी प्रमुख अजित पवार का दर्द सामने आया। उन्होंने चुनाव परिणाम के बाद देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान हमारे खिलाफ आरोप लगाए गए थे। हमें झटका लगा। हमने कदम उठाए और कुछ योजनाएं लेकर आएं। उन्होंने कहा कि लाडली बहिन योजना गेम चेंजर बन गई।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

ट्रेन के पार्सल बोगी से मिला 34 बोतल विदेशी शराब

◆ सहारनपुर से तस्करी कर जा रही थी बिहार

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर खड़ी ट्रेन की पार्सल बोगी में तस्करी कर जा रही ।विदेशी शराब की 34 बोतल को आर पी एफ व जी आर पी पुलिस की संयुक्त टीम ने बरामद कर मुकदमा दर्ज कर लिया है। गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर आर पी एफ व जी आर पी पुलिस ने ट्रेन संख्या 14650 सरयू यमुना एक्सप्रेस के पार्सल बोगी में सहारनपुर से जयनगर बिहार के लिए बुकिंग करा कर भेजा गया था ।जिसकी सूचना पर स्थानीय रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर चार पर खड़ी ट्रेन की पार्सल बोगी की तलाशी लेने पर तीन पेटी शराब

मिला जिसमें रायल स्टैग की 24 बोतल व ब्लैक बकार्डी की 10 बोतल विदेशी शराब बरामद किया गया पकड़ी गयी शराब हरियाणा ब्रांड की है।

इस दौरान आबकारी विभाग के कांस्टेबल महेंद्र कुमार के मुताबिक पकड़े गए शराब की कीमत 22 हजार रुपए से अधिक है ।जी आर पी चौकी प्रभारी राघवेन्द्र बहादुर सिंह ने आबकारी अधिनियम धारा 60 के तहत मोहित कुमार आदि के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इस दौरान अकबर आर पी एफ निरीक्षक जी एस गौतम, शाहगंज आर पी एफ पोस्ट के उपनिरीक्षक पी एन सिंह कांस्टेबल अमरेश कुमार यादव, पार्सल पर्यवेक्षक अजय कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

डबल इंजन सरकार, सुरक्षा-सुशासन एवं जन-कल्याणकारी नीतियों तथा समर्पित कार्यकताओं के अथक परिश्रम का परिणाम है जीतः पुष्पराज सिंह

इम्तियाज अहमद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।महाराष्ट्र में महायुति की और उत्तर प्रदेश मे हुये उपचुनाव मे एनडीए की बम्पर जीत पर भाजपा जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की जनता का आभार जताया और उनके नेतृत्व मे भाजपा कार्यालय पर भाजपा कार्यकर्ताओ ने मिठाई खिलाकर एक दूसरे को बधाई दी और पटाखा फोड़कर खुशिया मनाई। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने उत्तर प्रदेश उपचुनाव में 9 में से 7 सीटों पर भाजपा के जीत पर कहा कि यह पीएम मोदी के नेतृत्व की जीत है एनडीए की विजय मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के यशस्वी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन पर जनता-जनार्दन के अटूट विश्वास की मुहर है ।यह जीत डबल इंजन सरकार की सुरक्षा-सुशासन एवं जन-कल्याणकारी नीतियों तथा समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का सुफल है। यूपी के सुशासन और विकास को अपना मत देने वाले उत्तर प्रदेश के सम्मानित मतदाताओं का आभार एवं सभी विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई। ₹बटेंगे तो कटेंगे और एक रहेंगे-सेफ रहेंगे₹ का नारा आगे आने वाले चुनाव मे खूब चलेगा और हमे विश्वास है कि जनता इस नारे को बखूबी समझ रही है और इस नारे पर मुहर लगाकर उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की जनता मे भी

खूब साथ दिया है। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने महाराष्ट्र की जीत पर बधाई देते हुये कहा कि जनता ने एक बार फिर ये दर्शा दिया है कि वह पीएम नरेंद्र मोदी के साथ है, उन्होने महाराष्ट्र में महायुति की प्रचंड जीत का श्रेय पीएम नरेंद्र मोदी, महाराष्ट्र की जनता और पार्टी और गठबंधन की एकजुटता को दिया है ।महाराष्ट्र ने एक बार फिर दिखा दिया कि वह पीएम नरेंद्र मोदी के पीछे है उन्होंने जो ₹एक हैं तो एक सेफ हैं₹ का नारा दिया था, महाराष्ट्र की जनता ने उसे यथार्थ साकार करते हुए सभी समाज के लोगों ने एकता दिखाते हुए महाराष्ट्र में मतदान किया। उन्होंने आगे कहा कि महाराष्ट्र में कुछ लोगों ने पोलराइजेशन का प्रयास किया था, खास तौर से धर्म विशेष के लोगों को गुमराह किया गया था, मगर यह प्रयास सफल नहीं हुआ। महाराष्ट्र में लाडली बहनो, महिलाओं और किसानों ने खूब आशीर्वाद दिया, लोकसभा में जो एक फेक नरैटिव तैयार किया गया था ।अराजकता के माध्यम से उसे फैलाया गया था, इनके खिलाफ लड़ने वाली राष्ट्रवादी विचारों वाली ताकतों ने मैदान में उतरकर उस फेक नरैटिव को समाप्त किया। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने इस जीत को एकता की विजय बताया उन्होंने कहा कि एक नाथ शिंदे, अजित दादा पवार, राम दास अठावले सब एक साथ रहे ये एकता की विजय है, महायुति अभेद्य है, मै प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करता हूं। उनके कारण ही ये जीत मिली है साथ-साथ उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी का भी आभार जताया। हमारी पार्टी के नेताओं ने महाराष्ट्र की सभी सीटों पर काम किया सिर्फ अपनी सीटों पर ही नहीं बल्कि महाराष्ट्र की सभी 288 सीटों पर भी हमारे नेताओं ने जीतोड़ मेहनत की एक प्रकार से हम सामूहिक रूप से उतरे। एक ऐसी ताकत बने ।जिसने दिखा दिया कि महाराष्ट्र मोदी जी के ही साथ है। उक्त अवसर पर जिला महामंत्री सुशील मिश्र धनंजय सिंह दिव्याशु सिंह सिद्धार्थ राय अवनीश यादव प्रदीप यादव अंशुमान सिंह शुभम मौर्य आदि उपस्थित रहे।

धर्मांतरण के विरोध पर युवक की पिटाई, पुलिस कार्रवाई में जुटी

धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के बलुआ गांव में

पैसों का प्रलोभन देकर धर्मांतरण का विरोध करने पर युवक के साथ कुछ दबंगो ने मारपीट किया। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल करते हुए कार्रवाई में जुटी है ।जानकारी के मुताबिक बलुआ गांव निवासी राजेश चौहान पुत्र राजपति चौहान ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि बुधवार की शाम लगभग आठ बजे अखिलेश चौहान पुत्र अज्ञात निवासी रामदायलगंज, अर्जुन पुत्र करन सिंह चौहान निवासी लाइन बाजार, रीता पत्नी स्व. महेश्वर चौहान, सुनीता पत्नी अजय चौहान व कुछ अज्ञात लोग मेरे घर आए और धर्म परिवर्तन करने के लिए एक लाख रुपए का प्रलोभन दिया। जिसका राजेश ने विरोध किया तो उक्त दबंगो ने मिलकर पीड़ित युवक के साथ मारपीट किया। पीड़ित ने घटना की जानकारी डायल 112 नंबर पुलिस को दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। वहीं प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराए जाने की भनक लगते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए और कार्रवाई की मांग करने लगे। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक बदलापुर विनोद कुमार मिश्रा द्वारा बताया गया कि मामले की जांच पड़ताल करके विधिक करवाई की जा रही है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहगंज में आग से बचाव हेतु मॉक ड्रिल का आयोजन

अग्निशमन दल एवं पुलिस की मौजूदगी में कर्मचारियों को किया गया जागरूक

शिव कुमार प्रजापति

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहगंज में आग के आपातकालीन स्थितियों से निपटने हेतु जागरूक किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर रफीक फारूकी के द्वारा फायर विभाग के जवान के साथ एवं समस्त स्टाफ, आम नागरिकों को आग से बचाव हेतु जागरूक किया गया। जिससे भविष्य में किसी प्रकार की कोई अनहोनी ना हो और अस्पताल में लगे फायर यंत्र, अग्निशमन उपकरणों के उपयोग, आग के प्रति आपातकालीन स्थितियों में अपनाए जाने वाले उपाय के प्रति जागरूक किया गया। और अस्पताल में लगे यंत्रों को भी जांच पड़ताल किया गया। जिससे किसी प्रकार की कोई ज्वलंत क्रिया होने पर तत्काल उसको रोका जा सके। फायर विभाग के जवान अरविंद ने बताया कि यदि किसी को पाइपलाइन के ऊपर गीली सतह या डीजल पेट्रोल केरोसिन आदि गधं या आग लगने का आभास होता है तो

तत्काल इसकी सूचना आप पुलिस को दे। जिससे तत्काल आग पर काबू पाया जाए और किसी बड़ी दुर्घटना को टाला जा सके। चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर रफीक फारूकी ने बताया कि तेल संग्रह जांच करने का प्रयास न करें और ना ही किसी को भ्रमित करें। न हीं किसी प्रकार का भ्रम फैलाने का प्रयास करें। सहित विभिन्न बिंदुओं के प्रति जागरूक किया गया। ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश के कायाकल्प अवार्ड में सीएचसी शाहगंज प्रदेश में सातवां स्थान प्राप्त किया था। जबकि इस योजना में 795 स्वास्थ्य केंद्र शामिल थे। सीएचसी शाहगंज के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर रफीक फारूकी के मरीजों के हित को देखते हुए बहुत ही पैनी नजर रहती है। जिसके परिणाम स्वरूप अस्पताल में निरंतर मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। विगत दिनों हुई नवजात शिशुओं की आग के कारण गैर जनपद में मृत्यु को देखते हुए तत्काल शासन द्वारा हर अस्पतालों में दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। कि जिससे दोबारा इस तरह की घटना ना हो। उक्त अवसर पर डॉक्टर नीतू डॉक्टर आकांक्षा डॉ हरिओम मोर्य डॉ आर बी यादव डॉ राकेश यादव सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

अच्छी पहलः अब विश्वनाथ मंदिर में 24 घंटे होगी सफाई

गंगा घाटों पर हर 50 मीटर पर लगेंगे डस्टबिन

डॉ.एस.के. मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग के लिए अब विश्वनाथ मंदिर के आसपास के क्षेत्रों में 24 घंटे सफाई होगी। इसके लिए तीन शिफ्ट में ड्रेस में तैनात सफाईकर्मी काम करेंगे। साथ ही गंगा घाटों पर हर 50 मीटर पर डस्टबिन लगाए जाएंगे। व्यवसायिक क्षेत्रों में दो-दो डस्टबिन स्थापित होंगे। यह निर्देश शुक्रवार को नगर निगम में हुई बैठक में नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने दिए। बैठक में नगर आयुक्त ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग के लिए बेहतर उपाय किए जाएंगे। घर-घर से निकलने वाले कूड़े को अलग कराएं। 8-8 घंटे की ड्यूटी लगाकर मंदिर क्षेत्र की सफाई कराएं। जिनकी ड्यूटी लगाई जाए वे नियमित चक्रमण करते रहें। जहां भी कूड़ा दिखाई दे, तत्काल उसे साफ कराएं। नगर में सभी व्यवसायिक क्षेत्रों में दो-दो डस्टबिन लगाए जाएं। डस्टबिन से कूड़े का निस्तारण नियमित कराया जाए। डस्टबिन की धुलाई भी की जाए। उन्होंने मुख्य अभियंता को निर्देशित किया कि चिह्नित 56

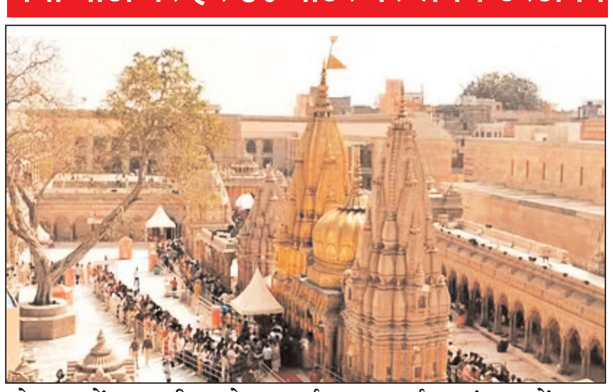

नालों पर जाली लगाने का कार्य तत्काल पूर्ण कराएं। नगर में संचालित तीन एमआरएफ सेंटर को व्यवस्थित संचालित किया जाए। होप संस्था की ओर से बेकार कपड़ों से बनाए जा रहे झोले का प्रचार-प्रसार किया जाए। जिससे प्रतिबंधित प्लास्टिक का प्रयोग कम किया जा सके। नगर आयुक्त ने सफाई कर्मचारियों को सरकार से दी जा रही योजनाओं से आच्छादित करने के निर्देश दिए। रैग पिकर्स का डेटा तैयार कर जारी होगा पहचान पत्र नगर आयुक्त ने शहर में रैग पिकर्स (कचरा बीनने वाले) का डाटा तैयार करने एवं उन्हें पहचान पत्र देने के निर्देश दिए गए। नगर में स्थापित सभी सार्वजनिक शौचालयों व सामुदायिक शौचालयों में स्वच्छ सर्वेक्षण में जारी टूलकिट के आधार पर मानकों को पूरा कराएं। सभी सार्वजनिक मूत्रालयों में सफाई के लिए पानी की व्यवस्था कराएं। हटेंगे आउटसोर्सिंग पर तैनात सुपरवाइजर नगर आयुक्त ने कहा कि आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत कार्मिक जो सुपरवाइजर का कार्य देख रहे हैं। उन्हें तत्काल हटाया जाए। उनके स्थान पर स्थायी कर्मियों को सुपरवाइजर के पद पर रखने की कार्रवाई की जाए। महाप्रबंधक जलकल को सीवर में जोड़ने,सोकपिट बनाने के लिए मुख्य अभियंता को निर्देशित किया गया।

पुलिस मुठभेड़ में गौ तस्कर को लगी गोली, अस्पताल में भर्ती

खुटहन,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। खुटहन और खेतासराय थाने की पुलिस ने शातिर गो तस्कर को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान उसके दाहिने पैर में गोली लगी। आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके कब्जे से तमन्चा, कारतूस और मोटर साइकिल बरामद हुई है। चेकिंग अभियान में पकड़े गए आरोपी के बारे में सीओ परमानंद कुशवाहा ने बताया कि थानाध्यक्ष खुटहन दिव्य प्रकाश सिंह हमराहियों के साथ बनुआडीह नहर पुलिया पर चेकिंग कर रहे थे। तभी सूचना मिली कि खेतासराय थानाध्यक्ष रामाश्रय राय एक बदमाश का लेदरही से पीछा कर रहे हैं। बदमाश सेठुआपारा नहर की पटरी पकड़ कर बनुआडीह की तरफ आ रहा था। थानाध्यक्ष खुटहन और थानाध्यक्ष खेतासराय ने ऊसरबस्ती नहर पुल के पास घेराबन्दी की। हड़बड़ाकर बदमाश की बाइक अनियन्त्रित होकर गिर गई। वो बाइक छोड़ कर भागने लगा। पुलिस ने आत्म समर्पण के लिए कहा तो बदमाश ने तमंचे से पुलिस पर फायर कर दिया। घायल आरोपी अस्पताल में भर्ती जवाबी फायरिंग में निसार पुत्र जलालुद्दीन निवासी मारुखपुर थाना खेतासराय को गोली

लगी ।घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ जिले के कई थानों में पशु क्रूरता और गौ हत्या निवारण आदि धाराओं के तहत पहले से ही 8 मामले दर्ज हैं।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में खुटहन थाने से उपनिरीक्षक वीरेन्द्र कुमार गौतम, महेन्द्र यादव, कांस्टेबल अजय कुमार, शशांक त्रिवेदी और खेतासराय से हेड कांस्टेबल राकेश कुमार यादव, संदीप कुमार, दिनेश यादव और शुभम त्यागी मौजूद रहे।

वाराणसी में नगर निगम ने अवैध निर्माण पर की ताबड़तोड़ कार्यवाही, 4 भवन हुए सील

लोगों में अफरा-तफरी का माहौल

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में विकास प्राधिकरण (वीडीए) ने अवैध निमार्णों के खिलाफ

अपनी कार्रवाई तेज करते हुए जोन-3 के वार्ड चौक में चार भवनों को सील कर दिया। यह कार्रवाई प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग के निदेर्शानुसार जोनल अधिकारी सौरभ प्रजापति और अवर अभियंता रविंद्र प्रकाश के नेतृत्व में की गई। प्राधिकरण की कार्रवाई से निर्माणकताओं में खलबली मची रही। बादशाह अली (सी.के. 43/164) बिना मानचित्र स्वीकृति के भूतल पर निर्माण हो रहा था। मौके पर कार्य रुकवाकर भवन को सील कर दिया गया।

मो. दशहक और इकरार हाशमी (सी.के. 46/07) के मो. भीखाशाह गली में मकान बी+जी+4 भवन में अवैध बेसमेंट निर्माण हो रहा था। यह भवन पहले से ही यूपी नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम,1973 के अंतर्गत वादग्रस्त है। प्राधिकरण ने अवैध कार्य रुकवाकर इसे सील कर दिया। तीसरा भवन गोपीनाथ केसरी (सी.के. 51/01) का है, जहां बिना स्वीकृति के बी+जी+2 व्यावसायिक भवन तैयार किया गया था और तृतीय तल पर शटरिंग कार्य चल रहा था। निर्माण रुकवाकर इसे भी सील कर दिया गया। चौथा भवन कीर्ति दूबे (सी.के. 57/10) का है, जहां बिना मानचित्र स्वीकृति के बी+जी+2 निर्माण पूरा हो चुका था और तृतीय तल पर काम चल रहा था। मौके पर कार्य बंद कर इसे सील कर दिया गया।

रोजगार मेला कैम्प का आयोजन 13 नवम्बर से 7 दिसम्बर तक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जिला सेवायोजन अधिकारी ने अवगत कराया है कि मुख्य विकास अधिकारी महोदय के निर्देश के क्रम में बहुराष्ट्रीय सुरक्षा कम्पनी एस0आई0एस0 द्वारा 13 नवम्बर 2024 से 07 दिसम्बर 2024 तक ब्लाकवार विभिन्न तिथियों में पंजीयन हेतु रोजगार मेला कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, तत्क्रम में 25 नवम्बर 2024 को मछलीशहर एवं 26 नवम्बर 2024 को विकास खण्ड महाराजगंज परिसर जौनपुर में प्रातः 10 बजे से रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें भर्ती हेतु सुरक्षाकर्मियों का पंजीयन शिविर आयोजित किया जायेंगा, जिनकी शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल, बी0ए0 एवं लम्बाई 168 से0मी0, सीना 80 से 85 से0मी0 तथा आयु सीमा 19 से 40 वर्ष के बीच, अभ्यर्थी का वजन 56 से ज्यादा व 90 से कम होना अनिवार्य हैं, अभ्यर्थी प्रतिभाग कर अर्हता पूर्ण करते हुए रोजगार प्राप्त कर सकते है ।जिला सेवायोजन अधिकारी एवं सहायक सेवायोजन अधिकारी ने बताया की रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति आई0डी0प्रुफ सहित एवं वेब पोर्टल https://rojgaarsangam.up.gov.in पर जॉब सीकर के रूप में पंजीकरण उपरांत आवेदन करते हुए, रोजगार हेतु अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करें।

सिकरारा थाना दिवस पर जिलाधिकारी व पुलिस कप्तान ने सुनी जानता की फरियाद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में और पुलिस अधीक्षक डॉ0 अजय पाल शर्मा की उपस्थिति में आयोजित थाना दिवस के अवसर पर थाना सिकरारा में आये हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना गया तथा उनकी समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया ।इस दौरान जिलाधिकारी के द्वारा निर्देशित किया गया कि राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निस्तारण करे। जिलाधिकारी ने कहा कि थाना दिवस का उददेश्य है कि जो भी समस्याए प्राथमिकता पर समाधान के योग्य है उनपर त्वरित रूप से कार्य करते हुए निस्तारण कराए।

दबंगों ने जलाई दुकान, नगदी समेत खाने-पीने के समान जलकर खाक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सामने दबंगों ने एक गुमटी को जलाकर

राख कर दिया। जिसमें रखा नगदी समेत हजारों रुपए के सामान जलकर राख हो गए। सूचना पर पहुची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी। बता दें कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सामने जासोपुर मोड़ पर राम सिंगार यादव की गुमटी में जनरल स्टोर से लेकर खाने-पीने के समान की दुकान संचालित कर रहे थे। शुक्रवार की रात करीब 11 बजे दुकान धु धु कर जलने लगी। आसपास के लोगों की सूचना पर रामसिंगार वहा पहुंचे और पुलिस को सूचना दी ।जिसके बाद पूर्वांचल विश्वविद्यालय चौकी प्रभारी संतोष कुमार मय फोर्स मौके पर पहुंच गए। इसी दौरान पुलिस की सूचना पर फायर ब्रिगेड दमकल की गाड़ियां पहुंच गई। लोगों ने जब तक उस पर पानी की बौछार करते तब तक गुमटी जलकर राख हो चुकी थी। दुकान में राम सिंगर यादव के मुताबिक 50 हजार नगदी और खाने पीने वाला सामान करीब 50 हजार तक जलकर राख हो गया है। उनका कहना है कि आसपास के अराजक तत्वो ने हीं दुकान में आग लगाई है और आग लगाकर फरार हो गए ।हालांकि उन्होंने अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई। चर्चा है कि आसपास के जो नशेड़ी लोग घूमते रहते हैं वहीं रंजिश के कारण दुकान में आग लगाए हैं। जिससे सभी सामान जलकर राख हुआ। पीड़ित राम श्रृंगार ने कहा कि उधारी सामान न देने पर दबंगों ने इस घटना को अंजाम दिया है।

1 जनवरी 2025 को 18 वर्ष पूरा करने वाले युवाओं को वोटर बनने का सुनहरा मौका

18 वर्ष पूर्ण करने वाले सभी छात्र छात्राएं बने वोटर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान की कड़ी मे स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्वाचन साक्षरता क्लब सहकारी पीजी कालेज मेहरांवा द्वारा मतदाता पंजीकरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके माध्यम से आगामी 01 जनवरी 2025 को 18 वर्ष पूरा करने वाले सभी छात्र छात्राओं का नाम मतदाता सूची मे पंजीकृत कराने हेतु जागरूक किया गया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं को वोटर बनने हेतु फार्म छः प्रदान किया गया तथा उनके मोबाइल मे वोटर हेल्पलाइन ऐप डाउनलोड कराया गया। मतदाता बनने व अन्य लोगों को वोटर बनाने हेतु प्रेरित करने के लिए संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एनएसएस समन्वयक डा.राज बहादुर यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय से सम्बन्धित लगभग सौ से अधिक महाविद्यालयों मे स्थित राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चल रहा है। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष पूर्ण करने वाले छात्र छात्राएं वोटर बने तथा अपने परिवार के अर्हता वाले युवाओं व छूट हुए लोगो को भी मतदाता बनने के लिए जागरूक व प्रेरित करे। प्राचार्य डा.अरविंद कुमार सिंह ने इस विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण

कार्यक्रम का लाभ उठाकर मतदाता सूची में त्रुटि सुधार कराने, 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके मतदाताओं का नाम जुड़वाने एवं मृत व बाहर चले गए मतदाताओं के नाम हटवाकर त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने में सहयोग करने की अपील किया। उन्होंने कहा कि सभी पात्र लोगों का नाम वोटर लिस्ट में दर्ज होना जरूरी है। साथ ही घर में आई नई बहुरिया का नाम भी जोड़ने का भी मौका है। जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने बताया गया कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए 28 नवम्बर अंतिम तिथि है। 24 नवम्बर को मतदान केंद्रों पर बीएलओ प्रातः 10 बजे से सांय 4 बजे तक उपस्थित रहेगी ।सभी लोग अपना नाम वोटर लिस्ट में चेक कर सकते हैं तथा वोटर बनने के लिए आवेदन कर सकते हैं। वोटर बनने हेतु वोटर पोर्टल या वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से भी आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। संचालन ईएलसी समन्वयक डा.संजय शर्मा ने किया। इस अवसर पर डा रणधीर कुमार, डा मनोज सोनकर, डा.विकास सिंह, डा.मुक्ता राजे, डा.पुष्पा सिंह सहित सहकारी पी जी कॉलेज मेहरांवा के छात्र छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने भारत में एक लाख इनोवा हाईक्रॉस की बिक्री दर्ज की

पटना। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने भारत में इनोवा हाईक्रॉस की 1,00,000 गाड़ियों की बिक्री की महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की और इसका जश्न मनाया। लॉन्च किये जाने की दूसरी सालगिरह पर यह उपलब्धि ब्रांड टोयोटा पर ग्राहकों के भरोसे को मजबूत करती है। साथ ही इनोवा हाईक्रॉस की बढ़ती लोकप्रियता को भी दर्शाती है, जिसे इसकी उन्नत तकनीक, बेजोड़ आराम और असाधारण प्रदर्शन के लिए बहुत पसंद किया जाता है। भिन्न तरीकों से निरंतर गतिशीलता की पेशकश करने की दिशा में टीकेएम की प्रतिबद्धता के क्रम में एक और कदम के रूप में नवंबर 2022 में लॉन्च की गई इनोवा हाईक्रॉस , अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और अभिनव डिजाइन के साथ टोयोटा की विश्व स्तर पर प्रसिद्ध गुणवत्ता, स्थायित्व और विश्वसनीयता (क्यूडीआर) का एक सहज मिश्रण प्रस्तुत करती है। इस नई उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट सबरी मनोहर ने कहा, रहमें यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि इनोवा हाईक्रॉस ने 1,00,000 यूनिट की उपलब्धि हासिल कर ली है। हम अपने ग्राहकों के भरोसे और समर्थन के लिए दिल से उनका शुक्रिया अदा करते हैं, क्योंकि हम बेजोड़ मोबिलिटी अनुभव प्रदान करना जारी रखते हैं।

सीएनजी सिलिंडर लदे ट्रक में लगी आग, धमाकों से दहला इलाका

शाहजहांपुर(उत्तरशक्ति)। शाहजहांपुर में जलालाबाद और कांट के बीच पुरैना गांव के पास स्टेट हाईवे पर शनिवार करीब साढ़े छह बजे सीएनजी सिलिंडर लदे ट्रक में अचानक आग लग गई। धमाके होने से इलाके में दहशत फैल गई। हाईवे के बीचोंबीच खड़ा ट्रक कुछ ही पलों में आग का गोला बन गया। लपटें देखकर दोनों वाहनों के पहिये थम गए। बताया गया कि चालक और क्लीनर ट्रक से कूदकर फरार हो गए हैं। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है। जानकारी के मुताबिक शाहजहांपुर से सीएनजी सिलिंडर लदा ट्रक जलालाबाद की ओर जा रहा था। राहगीरों ने बताया कि पुरैना गांव के पास ट्रक में रखे सिलिंडर से तेजी से गैस निकलने लगी। इसकी जानकारी होने पर चालक ने ट्रक रोक दिया। चालक और क्लीनर ट्रक से कूदकर भाग गए। कुछ ही देर में ट्रक आग का गोला बन गया। लगातार छह सात धमाके हुए, जिससे दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल यूनिट मौके पर पहुंच गई। दमकल ने ट्रक में लगी आग को बुझाया। घटना से करीब एक घंटे तक हाईवे पर जाम लगा रहा है। दोनों तरफ वाहनों की कतारें लग गईं। धमाकों की आवाज सुनकर आसपास के गांवों के लोग भी सहम गए। जब वे मौके पर पहुंचे तो घटना का पता चला। पुलिस ने ट्रक को हाईवे से हटवाया।

अखिल भारतीय समन्वय समिति ने सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के टीकाकरण की सिफारिश की

पटना। एआईसीसी आरसीओजी ने हाल ही में लक्षित आयु समूहों की महिलाओं में अनिवार्य एचपीवी टीकाकरण पर सर्वोत्तम तौर-तरीके और दिशा-निदेर्शों का अनावरण किया। आरसीओजी की अखिल भारतीय समन्वय समिति एचपीवी टीकाकरण पर बल देती है और सभी पात्र व्यक्तियों तक इसकी पहुँच पर जोर देती है, क्योंकि यह भारत में एचपीवी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। निकिता पोरवाल,फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 ने हाल ही में सर्वोत्तम तौर-तरीकों और दिशा-निदेर्शों का अनावरण किया और सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम पर बात की। एमएसडी इंडिया ने इस रिपोर्ट का प्रिंट और वितरण किया। सर्वाइकल कैंसर दुनिया भर में महिलाओं में कैंसर का चौथा सबसे बड़ा कारण है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में सर्वाइकल कैंसर के कुल मामलों में से लगभग 98.4 प्रतिशत के लिए कुल नौ प्रकार के ह्यूमन पेपिलोमावायरस (एचपीवी) जिम्मेदार हैं। यह 15-44 वर्ष की आयु वर्ग की भारतीय महिलाओं को प्रभावित करने वाले कैंसरों में से दूसरा बड़ा कारण है। एआईसीसीआरसीओजी की अखिल भारतीय अध्यक्ष डॉ. उमा राम ने सर्वसम्मति से की गई सिफारिशों के बारे में बोलते हुए कहा, श्विशेष रूप से कमजोर समूहों के बीच, एचपीवी संक्रमण के जोखिमों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, एचपीवी से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए आवश्यक है। किशोरावस्था से पहले के बच्चियों और किशोरियों का टीकाकरण एक स्वस्थ भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनकी मजबूत प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया एचपीवी टीके की प्रभावशीलता को अधिकतम बनाती है। लॉन्च के इस अवसर पर बोलते हुए, निकिता पोरवाल,फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 ने कहा, श्मैं इस पहल का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रही हूँ, जिसका उद्देश्य भारत में महिलाओं को एचपीवी से संबंधित बीमारियों और गर्भाशय कैंसर जैसे संक्रमणों से खुद को बचाने के लिए सक्रिय कदम उठाने के लिए शिक्षित और सशक्त बनाना है।

मारपीट में घायल युवक की 21 दिन बाद मौत

वाराणसी। कचौड़ी गली निवासी एक युवक के साथ गत एक नवंबर की रात ईश्वरगंगी पोखरा के समीप मारपीट की गई। युवक की तबीयत खराब हुई तो परिजन उसे शिवपुर क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। शुक्रवार को युवक की मौत हो गई। चौक थाना क्षेत्र के कचौड़ी गली का रहने वाला विकास यादव उर्फ विक्की (32) एक नवंबर की रात लगभग 10 बजे ईश्वरगंगी पोखरा निवासी अपने एक परिचित से मिलने जा रहा था। जैतपुरा थाने में दो नवंबर को विकास द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के अनुसार ईश्वरगंगी पोखरे के समीप वहीं का रहने वाला बच्चा और चौक का सूरज यादव अपने चार साथियों के साथ रॉड और लात-घूसे से वार किया था। उधर, इस संबंध में जैतपुरा थानाध्यक्ष बृजेश कुमार मिश्रा ने बताया कि मारपीट में युवक को गंभीर चोट नहीं लगी थी। हालांकि मुकदमा दर्ज किया गया था। शुक्रवार को युवक की मौत की सूचना मिली तो शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। प्रथम दृष्टया डॉक्टरों का कहना है कि हॉर्ट अटैक से युवक की मौत की आशंका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह स्पष्ट होने पर उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सल्तनत बहादुर महाविद्यालय में एकदिवसीय संगोष्ठी संपन्न

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के सल्तनत बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय बदलापुर जौनपुर में 22 नवम्बर,2024 को 'नागरिक कर्तव्य' विषय पर एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। यह संगोष्ठी राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित की गई। प्रबुद्ध नागरिक संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.सुनील प्रताप सिंह ने कहा कि यदि सभी लोग अपने कर्तव्य का पालन करें,तब समस्याएं कम हो जायेंगी। देश निर्माण में बाधाएं कम हो जायेंगी। मुख्य अतिथि वक्ता प्रो.अविनाश पाथर्डीकर ने संगोष्ठी में ग्यारह मूल कर्तव्यों पर विस्तार से अपने विचारों को छात्र-छात्राओं के समक्ष व्यक्त किया।वह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास विभाग में प्रोफेसर और सहविभाग संघचालक जौनपुर विभाग भी हैं।

अहिल्याबाई होल्कर के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर 'नागरिक कर्तव्य' संगोष्ठी में विशिष्ट वक्ता प्रो. धीरेंद्र कुमार पटेल ने अहिल्याबाई के जीवन चरित्र की वर्तमान प्रासंगिकता और महत्व पर सारगर्भित वक्तव्य दिया। संगोष्ठी के संयोजक महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो.ब्रजेन्द्र सिंह ने उपस्थित समस्त प्रबुद्धजनों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ.कर्मचन्द यादव (असिस्टेंट प्रोफेसर-राजनीति विज्ञान) ने संचालन करते हुए संगोष्ठी के शैक्षणिक उद्देश्यों एवं नागरिक कर्तव्य विषय की भूमिका पर अपने विचारों को व्यक्त किया। अतिथियों को अंगवस्त्रम् एवं स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर प्रो.अखण्ड प्रताप सिंह, डॉ.ओमप्रकाश दुबे,संघ कार्यवाह कपिल जी,डॉ.चेतन पांडेय, डॉ.विनय दुर्गेश,डॉ.बृजेश मिश्रा, डॉ.महेन्द्र सिंह, डॉ.इंद्रजीत सिंह, डॉ.अभिषेक गौरव, डॉ.तिलक सिंह यादव, डॉ.पवन सिंह, डॉ.जोरावर सिंह, डॉ.कुलदीप श्रीवास्तव, डॉ.कुलदीप शुक्ला, डॉ. मुमताज अहमद अंसारी, डॉ.रेखा मिश्रा, डॉ.किरण यादव, डॉ.शशिकला सिंह,डॉ अपर्णा सिंह, विजय प्रकाश सहित सभागार में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहगंज में आग से बचाव हेतु मॉक ड्रिल का आयोजन

अग्निशमन दल एवं पुलिस की मौजूदगी में कर्मचारियों को किया गया जागरूक

शिव कुमार प्रजापति

शाहगंज जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहगंज में आग के आपातकालीन स्थितियों में निपटने हेतु जागरूक किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर रफीक फारूकी के द्वारा फायर विभाग के जवान के साथ एवं समस्त स्टाफ, आम नागरिकों को आग से बचाव हेतु जागरूक किया गया। जिससे भविष्य में किसी प्रकार की कोई अनहोनी ना हो और अस्पताल में लगे फायर यंत्र, अग्निशमन उपकरणों के उपयोग, आग के प्रति आपातकालीन स्थितियों में अपनाए जाने वाले उपाय के प्रति जागरूक किया गया। और अस्पताल में लगे यंत्रों को भी जांच पड़ताल किया गया। जिससे किसी प्रकार की कोई ज्वलंत क्रिया होने पर तत्काल उसको रोका जा सके। फायर विभाग के जवान अरविंद ने बताया कि यदि किसी को पाइपलाइन के ऊपर गीली सतह या डीजल पेट्रोल केरोसिन आदि गधं या आग लगने का आभास होता है तो तत्काल इसकी सूचना आप पुलिस को दे। जिससे तत्काल आग पर काबू पाया जाए और किसी बड़ी दुर्घटना को टाला जा सके। चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर रफीक फारूकी ने बताया कि तेल संग्रह जांच करने का प्रयास न करें और ना ही किसी को भ्रमित करें। न हीं किसी प्रकार का भ्रम फैलाने का प्रयास करें। सहित विभिन्न बिंदुओं के प्रति जागरूक किया गया। ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश के कायाकल्प अवार्ड में सीएचसी शाहगंज प्रदेश में सातवां स्थान प्राप्त किया था। जबकि इस योजना में 795 स्वास्थ्य केंद्र शामिल थे। सीएचसी शाहगंज के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर रफीक फारूकी के मरीजों के हित को देखते हुए बहुत ही पैनी नजर रहती है। जिसके परिणाम स्वरूप अस्पताल में निरंतर मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। विगत दिनों हुई नवजात शिशुओं की आग के कारण गैर जनपद में मृत्यु को देखते हुए तत्काल शासन द्वारा हर अस्पतालों में दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। कि जिससे दोबारा इस तरह की घटना ना हो। उक्त अवसर पर डॉक्टर नीतू डॉक्टर आकांक्षा डॉ हरिओम मोर्य डॉ आर बी यादव डॉ राकेश यादव सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

उप परियोजना निदेशक के लापता वयोवृद्ध पिता की खोज जारी

-रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन के पिलकिछा गांव निवासी व जिले में उप परियोजना निदेशक (आत्मा) कृषि प्रसार के पद पर तैनात डा. रमेश चन्द्र यादव के 85 वर्षीय पिता राजपति यादव पिछले पाच दिन से लापता हो गए हैं। स्वजनों ने हर संभावित ठिकानों पर तलाश के बाद थाने में गुमशुदगी की तहरीर दिया है। पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है। परिजनों ने बताया कि उनका प्रोस्टेट की बीमारी का उपचार चल रहा है। डाक्टरों ने उन्हें पेशाब के लिए नली भी लगाया है। इस हालत में भी वह अक्सर घर से गांव में घूमने चले जाया करते थे। 19 नवम्बर, मंगलवार की सुबह दस बजे वे घर से बगैर बताए घूमने निकल गये। एक दुकानदार ने बताया कि वे दोपहर के समय पिलकिछा चौराहे पर दिखाई दिए थे। जौनपुर जाने के लिए कह रहे थे, उसके बाद वे कहां और कैसे चले गए। इसकी कोई जानकारी नही लग सकी। स्वजन किसी अनहोनी घटना की आशंका से परेशान हैं। पुलिस गुमशुदगी दर्ज कर खोज में जुट गई है पाच दिन बीत गए किंतु अभी तक कोई जानकारी नही मिल सकी है।

जौनपुर मैहर मंदिर के प्रमुख पुजारी रामचंद मिश्रा दास इन दिनों मुंबई में

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। जौनपुर मैहर मंदिर के मुख्य हनुमान पुजारी पंडित राम चंद मिश्रा दास इन दिनों अपने निजी प्रवास पर मुंबई आए हुए हैं। वह अपने नाती प्रवीण शिव शंकर मिश्रा के विरार आवास पर ठहरे हुए हैं। उनके छोटे नाती भानू प्रताप शिवशंकर मिश्रा के शुभ विवाह में दिनांक 22 नवम्बर दिन शुक्रवार को उपस्थित हो कर वर वधू को आशीर्वाद प्रदान किया। रामचन्द्र दास 26 नवंबर को जौनपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। उनका पैतृक गांव रोहियांव , विकास खंड सुजानगंज, पोस्ट मधुपुर जिला जौनपुर है। उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, पत्रकार आनंद कुमार मिश्रा, फुल चंद मिश्रा , संजय रामलखन मिश्रा , सिन्टू उमाशंकर मिश्र, पिंटू , देवी प्रसाद रमापति मिश्रा सहित कई लोगों ने उस शुभ अवसर पर आशीर्वाद प्राप्त किया। यदि किसी सज्जन व्यक्ति को मुलाकात करना हो तो मोबाइल नंबर 6394381167 पर संपर्क कर सकते हैं।

कैंट प्रभारी को हटाने की मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने किया प्रदर्शन

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। दीवानी कचहरी में अधिवक्ता पर हमला करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी और कैंट थाना प्रभारी संजय सिंह को हटाने की मांग लेकर अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को प्रदर्शन किया। अध्यक्ष भानु प्रकाश पांडेय व मंत्री गिरिजेश मणि त्रिपाठी की अगुवाई में अधिवक्ताओं का हुजूम शुक्रवार को दीवानी कचहरी से निकलकर पैदल मार्च करते हुए पुलिस ऑफिस पहुंचा। यहां एसपी सिटी से मुलाकात कर अपनी मांगों को रखते हुए उन्होंने कार्रवाई की मांग की। एसपी ने प्रकरण की जांच जारी होने की जानकारी देते हुए सही कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद अधिवक्ता चेतावनी देते हुए लौट गए। उनका कहना है कि सूर्यनारायण बनाम पूजा केस नामक पत्रावली में अधिवक्ता हूं।

आरोप लगाया कि 13 नवंबर को मध्यस्था केंद्र में पैरवी के दौरान पूजा और उसके पिता विवाद किए और गाली दी। मोबाइल पर भी जान से मारने की धमकी दी। बुधवार को विपक्षी पक्ष के चार नामजद और पांच अज्ञात गोलबंद होकर चैंबर के पास खड़े थे। जब चैंबर से निकला तो वे पीछे लग गए। कैंटिन के पास घेरकर मारपीट की। हाथ से पत्रावली छीनकर फाड़ दिए। इस दौरान तमंचा निकालकर फायर किया। आस-पास के लोग तमंचा छीनने का प्रयास किए तो एक आरोपी लहराते हुए फरार हो गया। पुलिस इसी आधार पर कैंट थाने में केस दर्ज किया। वहीं, दूसरे पक्ष की महिला ने भी चिलुआताल थाने में तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि अधिवक्ताओं ने कचहरी में मेरे भाई और उसके दोस्त को पीटा है। वह दोनों मेरे पारिवारिक मामले में चल रहे केस में पैरवी करने आए थे। पुलिस ने चोटिल युवकों को मेडिकल कराया था, लेकिन केस दर्ज नहीं किया था।

पेड़ से टकराई तेज रफ्तार स्कॉर्पियो,चार लोगों की मौत

बिजनौर (उत्तरशक्ति)। बिजनौर जनपद के नहटौर में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। घटना में एक ही परिवार के दो बच्चो व दो महिलाओं की मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शुक्रवार रात थाना क्षेत्र के गांव नसीरपुर निवासी सुल्तान (35) पुत्र असरफ अली अपनी पत्नी गुलअफ्सा (28), पुत्री अनादिया (8 दिन), अलिशा (6), पुत्र शाद (5), बहन चांद बानो (35) और भांजी अदिबा (14) के साथ नजीबाबाद थाना क्षेत्र में मेला देखने गया था। रात करीब 11 बजे वे घर लौट रहे थे। इसी दौरान परिवार हादसे का शिकार हो गया। नहटौर कोतवाली रोड पर ऑक्सफोर्ड स्कूल के पास उनकी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खडे पेड़ से टकरा गई। हादसे में सुल्तान की पत्नी गुलअफ्सा, दोनों पुत्रियां अनादिया, अलिशा और बहन चांद बानो की मौके पर मौत हो गई जबकि सुल्तान, उसका पुत्र शाद और भांजी आदिबा घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना पर एएसपी पूर्वी धर्म सिंह मार्छाल व सीओ सर्वम सिंह ने भी मौके पर पहुंचकर जानकारी ली तथा पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

यातायात पुलिस ने माँ दुर्गा जी इण्टर कालेज सिद्दीकपुर में यातायात के प्रति किया छात्र छात्राओ को जागरूक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। यातायात माह नवम्बर 2024 के दौरान आज माँ दुर्गा जी इण्टर कालेज,सिद्दीकपुर जौनपुर में किया गया जागरुकता कार्यक्रम व शहर के प्रमुख चौराहा/तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुए प्रवर्तन की कार्यवाही में 1338 वाहनों का किया गया चालान पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेन्द्र कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी सदर परमानन्द कुशवाहा, प्रभारी निरीक्षक सरायख्वाजा दीलीप कुमार सिंह, निरीक्षक यातायात सैयद हुसैन मुन्तजर, व उप निरीक्षक यातायात सुनील तिवारी,के द्वारा यातायात माह नवम्बर 2024 के दौरान आज माँ दुर्गा जी इण्टर कालेज,

सिद्दीकपुर,जौनपुर में 400 बच्चों के माध्यम से यातायात जागरूकता से सम्बन्धित क्विज, संभाषण, रंगोली, चित्रकला,पोस्टरकला एवं नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता आयोजित किया गया। सभी बच्चों को यातायात नियमों की शपथ दिलायी गयी। व साइबर सेल से आरक्षी संग्राम यादव के द्वारा साइबर अपराध व उसके बचाव के बारे में बच्चों को जागरुक किया गया। तथा मिशन नारी शक्ति शाखा से महिला आरक्षी शालिनी त्रिपाठी के द्वारा महिला सशक्तिकरण को लेकर जागरुक किया गया। शहर के प्रमुख चौराहा/तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुए सड़क पर वाहनों को खड़ा करके दुर्घटना का कारण बनने व जाम लगाने वाले वाहनों को उनके मालिकों को आगे ऐसा न करने की चेतावनी देते हुये हटवाया गया न हटाने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की गयी। लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर यातायात नियमों के बारे में जागरुक किया गया। हेलमेट व सिटबेल्ट लगा करके वाहन चलाने,मोटर साइकिल में तीन सवारी ना बैठाना, हाई स्पीड वाहन न चलाना व वाहनों के शिशों में काली फिल्म न लगानें तथा उससे हो रही दुर्घटनाओं को कम करनें के बारे में जागरूक किया गया तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में 1338 वाहनों का चालान किया गया।

यातायात माह में दिनांकः23.11.2024 को की गयी प्रवर्तन की कार्यवाहीः कुल चालान संख्याः1338 बिना हेलमेट वाहन चलानाः-1120 बिना सीट बेल्ट वाहन चलानाः46 तीन सवारी वाहन चालानाः31 यातायात नियमों का उल्लंघनः11 मोबाइल से बात करते हुये वाहन चलानाः13 खराब/क्षतिग्रस्त नंबर प्लेट का प्रयोगः9 वाहन में काली फिल्म का प्रयोगः1 बिना डी0एल0 वाहन चलानाः6 वाहन में प्रेशर हॉर्न का प्रयोगः1 ओवर स्पीड वाहन चलानाः1 नो पार्किंगः24 शेष अन्य धारा मेः-75।

सड़क हादसे में युवक की मौत,पैर कटकर शरीर से हुआ अलग

अतरौलिया। अतरौलिया के गदनपुर गांव के समीप आजमगढ़-फैजाबाद मार्ग पर बृहस्पतिवार की रात सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि उसका पैर कटकर शरीर से अलग हो गया था। वहीं बाइक पर बैठा दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। अतरौलिया थाना क्षेत्र के लहन पट्टी गांव निवासी दुर्गेश विश्वकर्मा (35) भोराजपुर खुर्द गांव निवासी श्याम सुंदर के साथ बाइक से रसड़ा निवासी रिश्तेदार के यहां से तिलक में गया था। बृहस्पतिवार की रात 10 बजे घर वापस लौट रहा था। जैसे ही वह आजमगढ़-फैजाबाद मार्ग पर गदनपुर गांव के पास मुड़ा तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आ गया। भयानक हादसे में दुर्गेश का एक पैर धड़ से अलग हो गया। मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक पर पीछे बैठा युवक श्याम सुंदर (32) गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घायल हो उपचार के लिए 100 शैय्या अस्पताल भिजवाया। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया।